वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 146 | शनिवार 23 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में कांग्रेस के मुख्यालय के लिए चंदा लिया जाएगा

80 करोड़ रुपए जुटाएगी पार्टी, सभी संगठनों के ऑफिस एक जगह होंगे

जयपुर. कासं

जयपुर में कांग्रेस का नया मुख्यालय बनने जा रहा है। मानसरोवर में द्रव्यवती रिवर फ्रंट के पास नया मुख्यालय भवन बनेगा। कांग्रेस मुख्यालय बनाने के लिए 6000 वर्ग गज जमीन अलॉट की गई है। मुख्यालय की नींव रखने के साथ ही इसके कंस्ट्रक्शन का काम शुरू हो जाएगा। इसमें कुल 80 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसके लिए नेताओं और कार्यकर्ताओं से चंदे के रूप में आर्थिक सहयोग लिया जाएगा। कांग्रेस के प्रदेश संगठन महासचिव ललित तूनवाल और व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष गिरिराज गर्ग ने बताया- मुख्यालय भवन के लिए किसी उद्योगपति से पैसा नहीं लिया जाएगा। हमारे नेता और कार्यकर्ता ही इसमें अपनी अपनी क्षमता के हिसाब से सहयोग देंगे। कांग्रेस का नया मुख्यालय भवन सभी सुविधाओं से लैस

होगा। करीब 80 करोड़ की लागत से यह मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनेगी। मुख्यालय में अलग से पार्किंग होगी। कैफेटेरिया, लाइब्रेरी, मीटिंग रूम, कॉन्फ्रेंस हॉल, मीडिया रूम जैसी सुविधाएं होंगी। सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल कांग्रेस के नए मुख्यालय भवन के प्रोजेक्ट को मॉनिटर कर रहे हैं। इसके लिए नेताओं की अलग से कमेटी बनाई गई है। कांग्रेस के नए मुख्यालय में कांग्रेस के साथ यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, सेवा दल के मुख्यालय भी इसी नए भवन में होंगे। कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ, विभागों के दफ्तर एक जगह इसी मुख्यालय में होंगे।

हर जिले में खुद का ऑफिस बनाएगी कांग्रेस, धारीवाल कमेटी ने जगह तय की

कांग्रेस ने राजधानी जयपुर सहित प्रदेश भर में कांग्रेस की प्रॉपर्टीज, जमीनों और दफ्तरों को स्ट्रीम लाइन करने के लिए यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल की अध्यक्षता में कमेटी बनाई थी। धारीवाल कमेटी ने हर जिले में कांग्रेस की जमीनों, दफ्तरों की मौजूदा हालत का ऑडिट कर रिपोर्ट तैयार की थी। जिन जिलों में कांग्रेस के दफ्तर किराए के भवनों में चलते हैं, वहां भी कांग्रेस खुद की जमीन लेकर नए ऑफिस बनाएगी। धारीवाल कमेटी ने इसके लिए जमीनें भी फाइनल की हैं। राजधानी से लेकर जिलों तक में खुद के दफ्तर बनाने के लिए जमीनें अलॉट की गई हैं। सभी दफ्तरों को एक जगह पर लाने का प्लॉन है।

दुनिया में सबसे ज्यादा टीबी के मामले भारत में

ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस में विशेषज्ञों ने कहा, इसे कंट्रोल करने के लिए लोगों में अवेयरनेस बढ़ाना बहुत जरूरी

जयपुर. कासं। जयपुर में आयोजित ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस (बीडब्ल्यूसी) में ''मैनेज टीबी इंडिया'' ऐप का लोकार्पण किया। इस एप को लांच करने का मुख्य उदेश्य इस बीमारी का इलाज करने वाले डॉक्टरों को टीवी के इलाज में हो रही नई रिसर्च और नए ट्रीटमेंट के तरीके से अपडेट करना है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्यूबरकुलोसिस एंड रेस्पिरेटरी डिजीज के एचओडी डॉ. रूपक सिंगला ने इस मौके पर कहा कि हम भारत से टीबी की बीमारी को खत्म करने की सही दिशा में काम कर रहे है, लेकिन हमारा लक्ष्य अभी बहुत दूर है। उन्होंने बताया कि इस ऐप को डॉक्टरों द्वारा उपयोग करने के लिए डिजाइन किया है और यह टीबी रोगियों के लिए उपचार में उनकी सहायता करेगा। इस मौके पर हील फाउंडेशन के अध्यक्ष आर. शंकर ने कहा कि वर्तमान में विश्वभर में टीबी के सबसे ज्यादा मामले अभी भारत में ही आ रहे है। साल 2022 में लगभग 20 लाख 64 हजार मामले भारत में टीबी के डिटेक्ट हुए है। ऐसे में इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी लोगों में इसके प्रति जागरूकता है। इंडिया फाइट्स टीबी पहल के माध्यम से हमारा लक्ष्य बीमारी और इसके लक्षणों, शीघ्र निदान और उपचार नियमों के पालन के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाना है।

सत्य, अहिंसा, प्रेम, भाईचारा, सद्भावना का संदेश देता नाटक

हिन्द स्वराज के जरिए कलाकारों ने महात्मा गांधी के संदेशों को किया प्रवाहित

जयपुर. कासं। रवीन्द्र मंच की स्थापना के 60 साल पूर्ण पर मनाई जा रही हीरक जयंती के अवसर पर कला,साहित्य संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग राज. सरकार और रवीन्द्र मंच की ओर से टैगोर योजना के तहत इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन जयपुर की ओर से हिन्द स्वराज नाटक का मंचन किया गया। राजेश कुमार की ओर से नाट्य रूपांतरित और मोहनदास करमचंद गांधी की मूल रचना है। जिसका निर्देशन जयपुर के वरिष्ठ रंगकर्मी संजय विद्रोही ने किया है। नाटक में गांधी जीवन पर वृत, परस्पर संबंध व गांधी विचारधारा को दिखाने का प्रयास किया है। नाटक में आज के दौर में विचार सबसे बड़ा संकट को रेखांकित किया हैं। स्वंत्रता का अर्थ सिर्फ सत्ता का परिवर्तन नहीं बल्कि उस जीवन पद्धति का परिवर्तन है जो हम उस शासन के दरम्यान देख रहे थे, गांधी इसलिए बार बार अंग्रेजी सभ्यता हटाने की ,उसे छोड़ने की बात करते हैं। आज सबसे बड़ा संकट विचार का हैं। वर्तमान राजनैतिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक परिदृश्य में विचार ही लुप्त हो रहे हैं। नाटक में यह बताया है की गांधी ने जिस आजाद भारत का सपना ' हिन्द स्वराज में देखा, क्या हमने वह आजादी प्राप्त की... ? सिर्फ गोरे शासक बदले, और काले शासक आ गए, बस इतनी सी आजादी वर्तमान तक मिली है। पूरे नाटक में आधुनिक सभ्यता को शैतानी सभ्यता और रेल,डॉक्टर,वकील, व अंग्रेजी शिक्षा को ,गुलामी का नीव बताया था, और आज के हालात को उससे इतर नही है। बल्कि रोजाना बद से बदतर होते जा रहे हैं। पूरे नाटक में निर्देशक ने गांधी की इस दृष्टि को बताने की कोशिश की है। आज यह कैसी विडम्बना है की इस हिंदुस्तान की युवा पीढ़ी गांधी के नाम से तो परिचित है लेकिन गांधी दृष्टि से अपरिचित है।

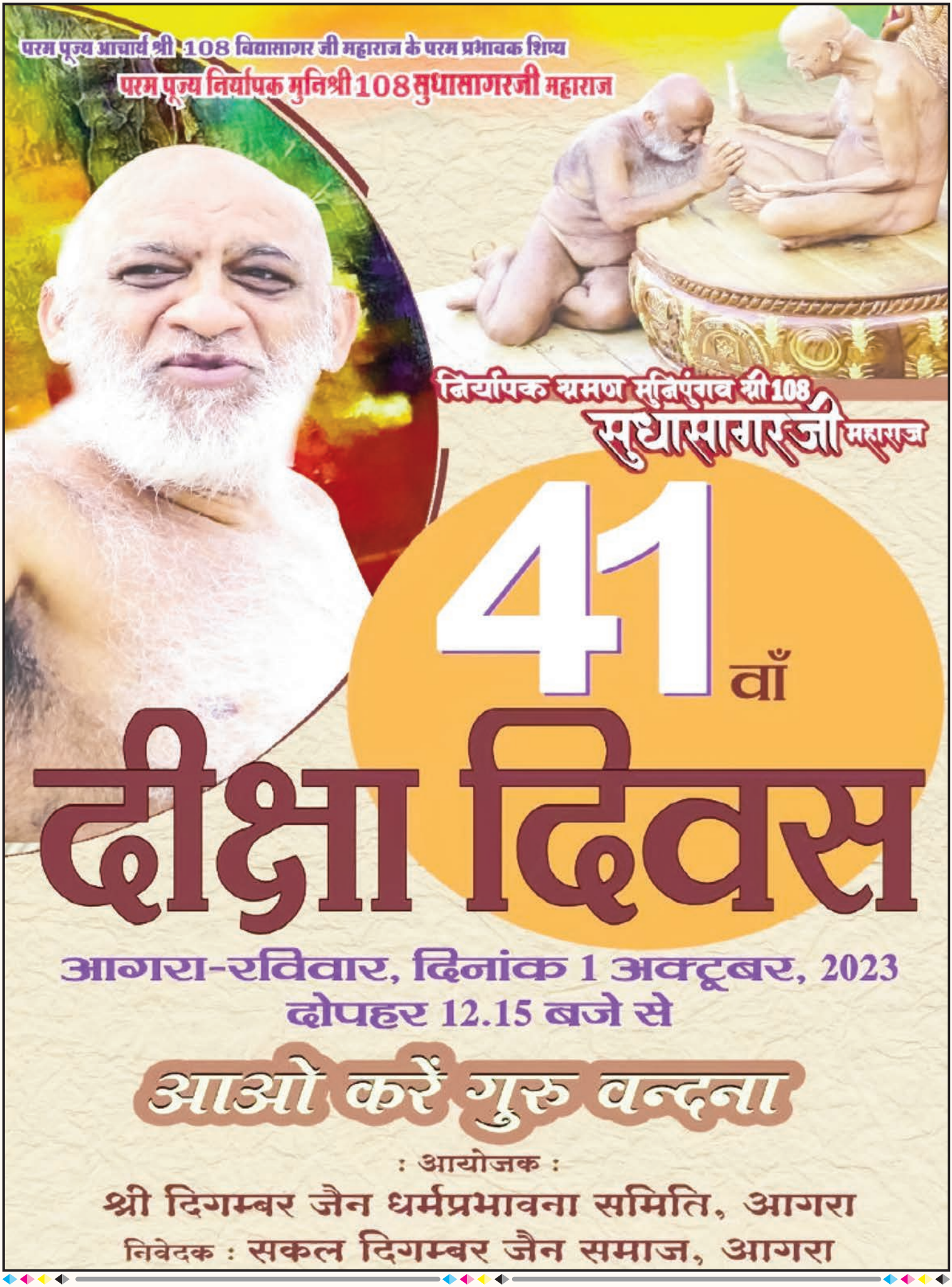
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

शौच धर्म की पूजन

आचार्य विद्यानन्द समाधि दिवस पर विनयांजलि अर्पण की, रात्रि में नृत्य नाटिका में दिखाया महावीर का जन्मोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में दस लक्षण पर्व के चौथे दिन शौच धर्म की पूजा की तथा राष्ट्र सन्त आचार्य श्री 108 विद्यानन्द समाधि दिवस पर विनयांजलि अर्पण की । प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि प्रातः मण्डल पर विश्व शान्ति हेतु बीजाक्षर युक्त शान्तिधारा करने का सोभाग्य केसर देवी बाकलीवाल व शरद गोधा परिवार को तथा वेदी पर सोभाग मल पाटनी परिवार को मिला। विधानाचार्य शिखर चंद जैन व किरण जैन द्वारा मधुर संगीत के साथ भक्ति कराते हुए पूजन करायी गई जिसका सभी ने मगन होकर आनन्द लिया। इसके बाद आचार्य विद्या नन्द जी की पूजा का अर्घ्य अष्ट द्रव्य व श्री फल के साथ समर्पित किया । विधानाचार्य ने आचार्य श्री की श्वेत पिच्छि के बारे में बताया की वर्ष 2010 में सरकार ने मोर पंख पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसका इनके सानिध्य में उस समय पुरजोर विरोध हुआ था । लेकिन इस मध्य विदेशी भक्तों ने सफेद मोर पंख की पिच्छि की व्यवस्था इनके लिए कर दी थी तब से इन्हें श्वेत पिच्छाचार्य कहा जाता है। दोपहर में तत्वार्थ सूत्र के चौथे अध्याय का वाचन, शाम को सामयिक, आरती व प्रवचन का कार्यक्रम हुआ । पूर्व रात्रि में महिला मंडल द्वारा द्वारा लघु नृत्य नाटिका द्वारा भगवान महावीर के जन्म को भक्ति के साथ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुनीत कर्णावट का प्रबंध समिति ने स्वागत कर जनक-ज्योति स्मारिका भेंट की।

रमा मेहता जन्मशताब्दी समारोह आज

मुंशी प्रेमचंद की पौत्री लेखिका व सम्पादक सारा राय बनेंगी मुख्य वक्ता, अंग्रेजी के प्रसिद्ध लेखक विक्रम सेठ भी भाग लेंगे

उदयपुर. शाबाश इंडिया। प्रसिद्ध समाजविद व उपन्यासकार तथा आजादी बाद विदेश सेवा के लिए चयनित प्रारंभिक महिलाओं में से एक रमा मेहता का जन्म शताब्दी समारोह शनिवार सुबह 11 बजे विद्याभवन ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। रमा मेहता मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुंशी प्रेमचंद की सुपौत्री प्रसिद्ध लेखिका व सम्पादक सारा राय शताब्दी स्मृति मुख्य व्याख्यान 'भाषा की झीनी चादर' देगी। बता दें, इसमें अंग्रेजी के प्रसिद्ध लेखक विक्रम सेठ समारोह के विशिष्ठ वक्ता होंगे। साथ ही समारोह में लेखन ग्रांट सम्मान व पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। ट्रस्टी अजय मेहता व नीलिमा खेतान ने बताया कि रमा मेहता मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष राजस्थान से संबंध रखने वाली हिंदी, राजस्थानी, उर्दू व अंग्रेजी, भाषा की एक सर्वश्रेष्ठ एक लेखिका को ट्रस्ट द्वारा लेखन ग्रांट दी जाती है। लेखन ग्रांट का उद्देश्य नवोदित लेखिकाओं की पहचान कर उनकी लेखन प्रतिभा व कौशल को परिष्कृत व स्थापित करना है। लेखन ग्रांट योजना के सलाहकार मंडल में इरा पांडे, रख्शंदा जलील और एनी जैदी जैसी ख्यात लेखिकाएं सम्मिलित है। गौरतलब है कि वर्ष 2023 ग्रांट के लिए ट्रस्ट को चारों भाषाओं में कुल 177 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। जिनमें 43 चयनित लेखिकाओं के लिए जुलाई माह में चार दिवसीय राइटर्स रिट्रीट कार्यशाला आयोजित की गई थीं। **रिपोर्ट : योवंतराज माहेश्वरी, उदयपुर**

वेद ज्ञान

चैतन्य स्वरूप में रहना ही मानव धर्म

प्राणिमात्र में आत्मभावना रखना, दया करना ही धर्म है। सनातन-धर्म ही मानव-धर्म है। मानव धर्म के आम तौर पर दस लक्षण हैं- धृति, क्षमा, दम, अस्तेय, शौच, इंद्रिय निरोध, धी, विद्या, सत्य और अक्रोध। इन गुणों का पालन करने वाला मानव बन जाता है। धर्म भेद दृष्टि को मिटा देता है। धर्म ही भगवद्स्वरूप है। ऐसा इसलिए, क्योंकि धर्म के स्वामी अच्युत हैं, जिसके कारण अभ्युदय हो और मोक्ष-लाभ हो, वही धर्म है। मानव के साथ धर्म का वही संबंध है, जो शरीर के साथ प्राण का। लोकोपकारक धर्म को ही मानव-धर्म कहा जा सकता है। तुलसीदास कहते हैं कि परोपकार के समान कोई धर्म नहीं है और दूसरों को पीड़ा देना ही अधर्म है। धर्म के आश्रय में काम-क्रोधादि और राग-द्वेषादि नहीं रहते। ऐसा इसलिए, क्योंकि धर्म से चित्त परिमार्जित हो जाता है। शुद्ध चित्त में किसी प्रकार का विकार उत्पन्न नहीं होता। अंतर्मुखता ही धर्म की कसौटी है। वृत्ति के अंतर्मुख होने से दूसरे का अपकार कैसे संभव होगा? धर्म ही सबसे प्रेम कराना-करना सिखाता है। संसार के विविध धर्मों का एक ही लक्ष्य है। इसके बिना शांति सुव्यवस्था कायम नहीं रह सकती। देश का संपूर्ण विकास करने और आत्म संतोष के लिए सबसे पहले मानव धर्म का विकास होना जरूरी है। बाह्य और अंतरंग शुद्धि के बगैर धर्म बुद्धि होना असंभव है। इसी के विकास पर बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक, आर्थिक व साहित्यिक विकास निर्भर करता है क्योंकि सनातम-धर्म विशाल वटवृक्ष है। धर्म की गति सूक्ष्म है। धर्म के गूढ़ रहस्य को समझने वाले लोग बहुत कम होते हैं। धर्म की महिमा को समझने वाले उदार बन जाते हैं कि अपने शरीर तक को भी कुर्बान कर सकते हैं। मनुष्य की भावना शुद्ध और लक्ष्य ऊंचा होना चाहिए। सत्यता के आधार पर मनुष्य प्रत्येक कार्य क्षेत्र में सफल हो सकता है। मानव जीवन का चरम लक्ष्य भौतिक उन्नति की पराकाष्ठा तक पहुंचना मात्र नहीं है। इतने मात्र से यहां सुख-शांति और सुख की अनुभूति नहीं हो सकती। इसके लिए शास्त्र और गुरु में विश्वास रखना होगा। मानव की सभी वृत्तियां दुख से छूटकर सुख पाने के लिए है, परंतु भाव शुद्धि, द्रव्य शुद्धि, क्रिया शुद्धि के बिना किए हुए कार्य से सच्चा सुख नहीं मिलता। वास्तव में अपने शुद्ध चैतन्य स्वरूप में रहना ही परम मानव धर्म है।

संपादकीय

कनाडा का व्यवहार बड़े सवाल पैदा करता है...

खालिस्तानी चरमपंथ के मसले पर भारत और कनाडा के संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। भारत ने परामर्श जारी कर अपने नागरिकों को कनाडा के कुछ क्षेत्रों में यात्रा करने से बचने और अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। दरअसल, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बीते सोमवार को संसद के आपातकालीन सत्र में चरमपंथी खालिस्तानी टाइगर फोर्स के प्रमुख रहे हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजंटों का हाथ होने का आरोप लगाया और एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को निष्कासित कर दिया। मामले को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाते हुए उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और फ्रांस के समक्ष भी यह मुद्दा उठाया। सिर्फ आशंका के आधार पर कनाडा के इस कदम पर भारत का एतराज स्वाभाविक है। यही वजह है कि भारत ने भी कनाडा के शीर्ष राजनयिक को निष्कासित कर पांच दिन में देश छोड़ने का फरमान सुना कर एक कड़ा संदेश दिया है। गौरतलब है कि भारत

चरमपंथी तत्त्वों पर नरमी को लेकर कनाडा को कई बार चेतावनी दे चुका है, लेकिन उसका रवैया नहीं बदला। कनाडा में बैठे खालिस्तान समर्थक तत्त्व लगातार भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते रहे हैं और वहां की सरकार उनके प्रति यह कहकर नरम रुख अख्तियार करती रही है कि वह हर नागरिक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करेगी। नतीजतन, आज वहां दर्जन भर से ज्यादा खालिस्तान समर्थक और भारत विरोधी संगठन सक्रिय हैं। निज्जर ऐसे ही एक संगठन में प्रमुख हैसियत रखता था, जो पंजाब को भारत से अलग स्वतंत्र खालिस्तान बनाने की मांग को लेकर कनाडा समेत कई देशों में जनमत संग्रह कराता है। गौरतलब है कि हरदीप सिंह निज्जर की बीते जून माह में कनाडा के सरे शहर में दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। इसके बाद वहां न केवल भारतीय राजनयिकों, भारतवंशियों पर हमले तेज हुए, बल्कि मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई। कनाडा सरकार इन घटनाओं पर न केवल चुप्पी साधे रही, बल्कि उसने भारत की शिकायत पर इसे अभिव्यक्ति की आजादी बताकर परोक्ष रूप से खालिस्तानी तत्त्वों को खुली छूट ही दी। भारत लंबे अरसे से इन घटनाओं और कनाडा सरकार के रवैए पर सख्त रुख अपनाने से बचता आ रहा था, लेकिन हाल ही में संपन्न जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली से खरी-खरी सुनने के बाद स्वदेश लौटे ट्रूडो ने जैसे ही अक्तूबर में प्रस्तावित एक व्यापार समझौते को रद्द करने का एलान किया तो भारत ने भी मुक्त व्यापार समझौते को लेकर कनाडा के साथ चल रही बातचीत रोक कर कड़ा संदेश दिया। जाहिर है, कनाडा में यह मामला सीधे राजनीति से जुड़ा है। सिख फार जस्टिस जैसे संगठन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को समर्थन देते हैं। ट्रूडो के मंत्रिमंडल में भी कई खालिस्तान समर्थक मंत्री हैं। यही वजह है कि ट्रूडो भारत की मांग को अनसुना करते आ रहे हैं। कनाडा में लगभग सोलह लाख भारतवंशी रहते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अराजकता

दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कालेजों में मंगलवार को कुछ असामाजिक तत्त्वों की अराजकता की जैसी हरकत सामने आई है, उससे एक बार फिर यही पता चलता है कि छात्रसंघ चुनावों के दौरान आशंका के बावजूद ऐसे हालात से निपटने के कोई इंतजाम नहीं किए गए। खबरों के मुताबिक, रामजस कालेज और मिरांडा हाउस कालेज में छात्रसंघ चुनाव के लिए प्रचार के बहाने कुछ असामाजिक तत्त्व दाखिल हो गए और अराजक हरकतें करने लगे। आरोप है कि हाथों में डंडे लिए लोगों ने वहां छात्रों से मारपीट की, छात्राओं पर फब्तियां कसीं और कइयों से अभद्र बर्ताव किया। यह एक चिंताजनक स्थिति है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेजों के परिसरों को आमतौर पर सुरक्षित इलाकों के तौर पर देखा जाता है, लेकिन वहां भी छात्र-छात्राओं को आपराधिक हरकतों का सामना करना पड़ रहा है। इस घटना में अफसोसनाक पहलू यह है कि जिन लोगों पर ऐसी अराजकता फैलाने का आरोप है, वे छात्रसंघ चुनावों में हिस्सा लेने वाले एक प्रमुख छात्र संगठन ''नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन आफ इंडिया'' के उम्मीदवारों के साथ चुनाव प्रचार करने गए थे! सवाल है कि अगर ये आरोप सही हैं तो जिस संगठन या नेता के साथ बाहरी तत्त्व कालेजों में घुसे, उसकी क्या जिम्मेदारी थी? किसी भी परिस्थिति में अगर चुनाव प्रचार के दौरान इस तरह की अराजकता सामने आई है, तो यह परिसर के भीतर अपराध के पांव फैलने को ही दशार्ता है। दरअसल, यह किसी एक संगठन तक सिमटा मामला नहीं है, इसलिए इसे लेकर सभी को चिंतित होने की जरूरत है। खासतौर पर कालेज और विश्वविद्यालय में सभी विद्यार्थियों का हित सुनिश्चित करने का दावा करने वाले छात्र संगठनों को इस मसले पर विचार करने की जरूरत है कि चुनाव में जीत के लिए वे जिन तौर-तरीकों को आजमाते हैं, वे कितने सही हैं। आखिर क्या वजह है कि कालेज या विश्वविद्यालय में किसी समस्या से जुड़े मुद्दे पर केंद्रित विचार आधारित जनमत बनाने के बजाय कोई संगठन प्रचार के दौरान आक्रामक रुख अख्तियार करता है और कई बार हिंसक टकराव के हालात भी पैदा हो जाते हैं? फिर इसमें विश्वविद्यालय और कालेज परिसर में पसरी असुरक्षा की हकीकत का भी पता चलता है, जिसमें बाहरी तत्त्व घुस मनमानी करते हैं और अराजकता फैलाते हैं। यहां विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए कोई तंत्र समय पर सक्रिय नहीं होता। पिछले कुछ समय से अक्सर ऐसे मामले देखे जा रहे हैं, जिनमें किसी विश्वविद्यालय या फिर कालेज परिसर में बाहर से कुछ लोग घुस जाते हैं और वहां छात्र-छात्राओं से दुर्व्यवहार और मारपीट करते हैं और फरार हो जाते हैं। मामला पुलिस के पास भी पहुंचता है, लेकिन कार्रवाई के स्तर पर ऐसी सख्ती का उदाहरण सामने नहीं आता है, जिससे असामाजिक तत्त्वों को सबक मिले। खासतौर पर छात्रसंघ चुनावों के दौरान जिस तरह की खींचतान और कई बार टकराव तक का माहौल बन जाता है, उसमें यह सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है कि किसी संगठन के उम्मीदवार या उनसे जुड़े नेता के साथ कितने और किस तरह के कार्यकर्ता परिसर में प्रवेश कर सकते हैं। कालेजों में प्रचार से जुड़ी गतिविधियों को लेकर प्रशासन की ओर से एक स्पष्ट नियमन तय होना चाहिए। यह कालेजों में सुरक्षा-व्यवस्था से भी जुड़ा सवाल है और ऐसी अराजकता की घटनाएं यही दर्शाती हैं कि परिसरों के भीतर भी विद्यार्थी असुरक्षित हैं। सही है कि कई विश्वविद्यालयों के भीतर सुरक्षा-तंत्र खड़ा किया गया है। जरूरत पड़ने पर पुलिस-प्रशासन को भी अक्सर सक्रिय देखा जाता है।

"सादा जीवन उच्च विचार" की भावना भाना ही उत्तम शौच धर्म: आचार्य सौरभ सागर

9 वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत स्वामी का मनाया मोक्ष कल्याणक, चढ़ाया निर्वाण लड्डू

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म में सबसे पवित्र माने गए पर्वों में से एक पर्व दशलक्षण पर्व जयपुर के जैन मंदिरों हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है प्रताप नगर सेक्टर 8 स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में जैन श्रावक और श्राविकाएं अपने त्याग, तप और साधना में लीन होकर जिनेन्द्र आराधना कर रहे है। शुक्रवार को दसलक्षण पर्व की परीक्षा के चौथे दिन आचार्य सौरभ सागर महाराज ने ''दसलक्षण पर्व, उत्तम शौच धर्म और 9 वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत स्वामी के मोक्ष कल्याणक पर्व के अवसर पर प्रातः 8.30 बजे धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि'' उत्तम शौच भावना, प्राणी पेट तो भर सकता है लेकिन पेटी नहीं भर पाता किन्तु आज सभी अपनी पेटी भरने में लगे है। इसलिए मन की पवित्रता नष्ट होती जा रही है और 99 के चक्कर में लगे हुए है। ईमानदारी से पेट भरा जा सकता है लेकिन पेटी भरने के लिए तो बेईमानी, अन्याय और अनीति से ही कमाना पड़ता है तभी तिजोरी भर सकती है। धर्मसभा के दौरान आचार्य सौरभ सागर महाराज ने कहा कि अधर्म से कमाया हुआ द्रव्य का नाश भी दवाइयों में नष्ट हो जाता है अतः कभी ऑपरेशन में, कभी जमानत कराने में, कभी इलाज में अथवा छापा पड़ने से नष्ट होता रहता है। लोभी व्यक्ति के साथ पांचो पाप भी जुड़ जाते है इसलिए वह पांच पापों की सजा भोगने का अधिकारी हो जाता है। हमारी आवश्यकता सीमित हो तो हमे लोभ का सहारा नहीं लेना पड़ेगा, संतोषी प्राणी हमेशा परिग्रह को कम रखेगा और सादा जीवन उच्च विचार के आदर्शों को अपनाकर चलेगा, हमारे आचार्यों का कहना है - एक बार अज्ञानतावश ढगे जाना अच्छा है लेकिन लालच वश दूसरों को ठगना बहुत बुरा है, एक बार बूरे संस्कारो का बीज बो दिया जाय फिर वृद्धावस्था पर्यन्त वो गलत कार्य करता रहता है। अतःआवश्यकता है सही राह निर्देशन की और ''अधिक चाहिए'' यह प्रवृति छोड़ संतोष को धारण करना चाहिए। सदुणों की प्राप्ति अधिक से अधिक हो यह भावना बढ़ती रहे और परिग्रह संचय का भाव कम से कम रहे यही उत्तम शौच धर्म का सार है। प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां ने बताया की शुक्रवार को प्रातः 6.15 बजे से आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य एवं पं संदीप जैन सेजल के निर्देशन में मूलनायक शांतिनाथ भगवान का स्वर्ण एवं रजत कलशों से कलशाभिषेक किया गया, जिसके पश्चात आचार्य श्री के मुखारविंद विश्व में कल्याण की भावना और सुख - समृद्धि की कामना करते हुए वृहद शांतिधारा की गई, इस दौरान जैन धर्म के 9 वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत स्वामी के मोक्ष कल्याणक पर्व के अवसर पर सामूहिक निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने निर्वाण कांड पाठ, मंगलाष्टक पाठ का गुणगान कर जयमाला अर्घ के साथ 9 वें तीर्थंकर को 9 किलो का निर्वाण लड्डू अर्पित किया और दसलक्षण पर्व पूजन, उत्तम शौंच धर्म पूजन सहित भगवान पुष्पदंत स्वामी का अष्ट द्रव्यों के साथ पूजन कर जिनेन्द्र आराधना की और कर्मों की निर्जरा के अर्घ चढ़ाए। शनिवार को दसलक्षण पर्व का पांचवा दिन रहेगा और उत्तम सत्य धर्म पर्व मनाया जायेगा और पूजन किया जायेगा।

संकलन : अभिषेक जैन बिट्टू

लेकसिटी के फैशन आइकन अशोक पालीवाल बने हेयर एंड ब्यूटी फेडरेशन इंडिया के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लेकसिटी में फैशन इंडस्ट्री से जुड़े प्रभात ब्यूटी पार्लर के अशोक पालीवाल को सर्वसम्मति से हेयर एंड ब्यूटी फैडरेशन, इण्डिया का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उल्लेखनीय है कि पालीवाल ऑल इंडिया हेयर एण्ड ब्यूटी एसोसिएशन सहित हेयर एण्ड ब्यूटी ऑर्गनाइजेशन राजस्थान और लेकसिटी ब्यूटी क्लब उदयपुर के फाउंडर भी हैं। दिल्ली के प्रगति मैदान पर आयोजित प्रोफेशनल ब्यूटी एक्सपो में देश भर से हेयर, ब्यूटी, वेलनेस और कॉस्मेटिक उद्योग की एकता और विकास के प्रयोजन से हेयर एंड ब्यूटी फेडरेशन इंडिया का गठन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि ब्लोजम कोचर, मोनिका बहल, विकास विजं एवं हेयर एक्सपर्ट हरीश भाटिया

के अलावा सीमा जयजरानी, गुरप्रीत सिंबल, नजीब उरहमान, श्याम भाटिया, दिशा मेहर , उन्नति सिंह, कंचन मेहरा, शीला अय्यर, जयवन्त ठाकरे, डॉ. मनीष गवारे, अजय गिरधर और अश्विन अरोडा भी उपस्थित थे। बाद में हेयर एण्ड ब्यूटी फेडरेशन इंडिया के फाउंडर अशोक पालीवाल ने निर्मल रंधावा, उदय टंके, सावियो जॉन परेरा, नीता पारेख, मधुमिता सैकिया, इन्द्रा अहलूवालिया, पिंकी सिंह, विपिन दबास और प्रकाश पारेख की उपस्थिति में सामूहिक रूप से फेडरेशन का लोगो भी जारी किया। इस दौरान हेयर, ब्यूटी एवं कॉस्मेटिक उद्योग से जुड़े सैंकड़ों प्रतिनिधि इस समारोह के गवाह बने। पालीवाल ने बताया कि फेडरेशन में भारत की 70 से ज्यादा एसोसिएशन एक मंच पर आई है। शीघ्र ही 150 से ज्यादा एसोसिएशन को इसकी सदस्यता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह फेडरेशन एसोसिएशन एकता का मंच बनकर तथा एकजुट होकर सामाजिक और सरकारी स्तर पर विकास एवं उन्नति के लिए कार्य करेगा।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

पर्यूषण पर्व (दसलक्षण महापर्व) पांचवा दिन 23 सितंबर

उत्तम सत्य धर्मः वाणी का सदुपयोग करें

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

सत्यधर्म सर्वधर्मों में प्रधान है, सत्य पृथ्वी तल पर सबसे श्रेष्ठ विधान है। सत्य, संसार समुद्र को पार करने के लिए पुल के समान है और यह सब जीवों के मन को सुख देने वाला है। इस सत्य से ही मनुष्य जन्म शोभित होता है, सत्य से ही पुण्यकर्म बँधता है, सत्य से ही सम्पूर्ण गुणों का समूह महानता को प्राप्त हो जाता है और सत्य से ही देवगण सेवा करते हैं। 'सत्स प्रशस्तेषु जनेषु साधुवचनं सत्यमित्युच्यते।' सत अर्थात प्रशस्तजनों में अच्छे वचन बोलना सत्य है। सत अर्थात समीचीन और प्रशस्त वचन सत्य कहलाते हैं। ये वचन अमृत से भरे हुये हैं। मिथ्या अपलाप करने वाले और धर्मशून्य वचन सदा छोड़ो। गिंहत, निदित, हिंसा, चुगली, अप्रिय, कठोर, गाली–गलौज, क्रोध, बैर आदि के वचन, सावद्य के वचन और आगम विरुद्ध वचन इन सबको छोड़ो। नीतिकारों ने कहा है कि सत्य गले का आभूषण है, सत्य से वाणी पवित्र होती है। सत्य बोलो और धर्म का आचरण करो। क्रोध, लोभ, भय और हँसी-मजाक आदि के कारण ही झूठ बोला जाता है। जहाँ न झूठ बोला जाता है, न ही झूठा व्यवहार किया जाता है वही लोकहित का साधक सत्यधर्म होता है।अप्रिय, कटुक, कठोर, शब्द नहीं बोलें।साबुन से वस्त्र स्वच्छ होता है। वैसे ही वाणी सत्य से निर्मल होती है। सत्य पर सारे तप निर्भर करते हैं। जिन्होंने सत्य का पालन किया, वे इस संसार से पार हो गए, मुक्त हो गए। सत्य ही संसार में श्रेष्ठ है। हित-मित-प्रिय बोलें : सत्य बोलो और धर्म का आचरण करो। क्रोध, लोभ, भय और हँसी-मजाक आदि के कारण ही झूठ बोला जाता है। जहाँ न झूठ बोला जाता है, न ही झूठा व्यवहार किया जाता है वही लोकहित का साधक सत्यधर्म होता है। हमें कठोर, कर्कश, मर्मभेदी वचनों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। जब भी बोलें हित- मित-प्रिय वचनों का प्रयोग अपने व्यवहार में लाना चाहिए तथा कहा भी गया है- ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोय, औरन को शीतल करे, आपहुँ शीतल होय।। कठोर वचन सत्य की श्रेणी में नहीं आते। सत्यवादी की जग में सदा ही विजय होती है। इसीलिए कहा है सत्यमेव जयते। जैन दर्शन में सत्य का अर्थ मात्र ज्यों का त्यों बोलने का नाम सत्य नहीं है , बल्कि हित-मित-प्रिय वचन बोलने से है। हितकारी वचन यानि जिसमें जीव मात्र की भलाई

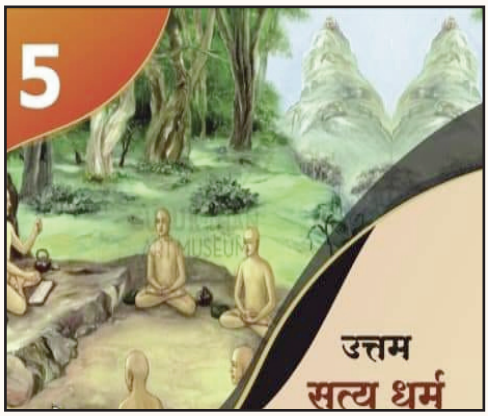

हो , कहने का अभिप्राय ये है कि जिन वचनों से यदि किसी जीव का अहित होता हो तो वे वचन सत्य होते हुये भी असत्य ही है। मित यानि मीठा बोलो अर्थात कड़वे वचन , तीखे वचन , व्यंग्य परक वचन , परनिंदा , पीड़ाकारक वचन सत्य होते हुये भी असत्य ही माने गये हैं। प्रिय वचन यानि जो सुनने में भी अच्छे लगे , ऐसे वचन ही सत्य वचन हैं। सत्य वचन दया धर्म का मूल है , अनेक दोषों को दूर करने वाला है , या यों कहिये सत्य धर्म संसार सागर से पार उतारने में जहाज के समान है। सत्यवादी की देवता भी सहायता करते हैं। अणुव्रत और महाव्रत भी सत्यव्रती के ही सम्यक होते हैं। और निर्वाण की प्राप्ति भी सत्यव्रती को ही होती है।

जैन दस लक्षण धर्म विशेष

उत्तम सत्य-सत्याचरण ही भगवान की पूजा

विजय कुमार जैन राघौगढ़ (गुना)

सत्य का शब्दों मे वर्णन नहीं किया जा सकता। सत्य चित्त के अन्वेषण और अनुभूति का विषय है। सत्य को परमेश्वर कहा है। सत्य ही भगवान है। हम सत्य का अनुभव कर सकते हैं, उसका साक्षात्कार नहीं कर सकते हैं। सत्य को उपलब्ध किया जा सकता है, किन्तु उसका वर्णन नहीं कर सकते। सत्य

> **सत्य का जीवन के साथ वैसा ही संबंध है जैसा कि नदी के साथ उसके जल का। नदी की शोभा और सार्थकता उसमें प्रवाहित हो रहे जल से होती है। आज का आदमी सुविधाभोगी हो गया है। वह क्षणिक सुविधा और धन की लिप्सा में सत्य आचरण से विमुख हो जाता है।**

अकथ्य है, अलभ्य नहीं। अकथ्य है, किन्तु संवेदनगम्य है। सत्य की उपलब्धि ही परमात्मा की उपलब्धि है। सत्य की प्राप्ति के लिए हमें कहीं बाहर भटकने की जरूरत नहीं है। सत्य हमारे भीतर है। एक बार झाँककर देखने की कोशिश करें, तो सत्य उपलब्ध हो जायेगा। महात्मा गाँधी से एक विदेशी महिला ने प्रश्न किया कि सत्य को कहाँ पा सकते हैं? गाँधी जी ने उत्तर दिया सत्य को स्वयं के हृदय में ही पा सकते हैं, अन्यत्र नहीं। भारतीय परम्परा में सत्य को नारायण कहा गया है। जैन धर्म में कहा गया है - सच्चंखु भयवं सत्य ही भगवान है। सत्य रूपी भगवान की उपलब्धि के लिए सत्याचरण अनिवार्य है। अंग्रेजी विचारक इमर्सन ने ठीक लिखा है - सत्य का सबसे बड़ा अभिनंदन जिसे हम कर सकते हैं, वह है सत्य का सर्वतोमुखी आचरण सत्याचरण वही कर सकता है जिसके हृदय में परमात्म स्वरूप प्रतिष्ठित रहता है। सत्याचरणी व्यक्ति मन, वाणी और व्यवहार तीनों में सत्य को उतारता है। सत्याचरण को हमें तीन स्तर पर समझना चाहिए - भावना, वाणी और व्यवहार। सत्य भावना, सत्य वाणी और सत्य व्यवहार की त्रिकुटी ही सत्याचरण है। प्रख्यात विचारक इमर्सन ने लिखा है - सत्य का प्रत्येक उल्लंघन मानव समाज के स्वास्थ्य में छुरी भौंकने जैसा है। सत्य का जीवन के साथ वैसा ही संबंध है जैसा कि नदी के साथ उसके जल का। नदी की शोभा और सार्थकता उसमें प्रवाहित हो रहे जल से होती है। आज का आदमी सुविधाभोगी हो गया है। वह क्षणिक सुविधा और धन की लिप्सा में सत्य आचरण से विमुख हो जाता है। उसका जीवन अनैतिक होता जा रहा है। अनैतिकता के बढ़ते प्रभाव के कारण आज मनुष्य की मान्यताऐं बदल गयी हैं। सामाजिक मूल्य बदल गये हैं। भ्रष्टाचार अब शिष्टाचार बनता जा रहा है। जिस रिश्वत और घूंसखोरी को पाप समझा जाता था। वह अब सुविधा शुल्क कहलाने लगी है। संत कहते हैं अनैतिकता और असत्य से बचकर कर्म क्षेत्र में सच्चाई से काम करना चाहिए। सत्य का आराधक देश, काल और परिस्थितियों का मोहताज नहीं होता। सत्य के पालन के लिये परिस्थितियाँ बाधक नहीं होती। मनुष्य के मन में निष्ठा हो तो संसार का कोई भी काम असंभव नहीं है। राजा हरिशचन्द्र सत्य की प्रतिमूर्ति थे। उनका नाम ही सत्यवादी राजा हरिशचन्द्र हो गया था। महर्षि विश्वामित्र ने उनकी सत्य निष्ठा की कठोर परीक्षा ली। राजा को राजपाट छोड़ना पड़ा, पत्नी व पुत्र और स्वयं को बेचकर दासत्व की पीड़ा सहनी पड़ी। चाण्डाल का कार्य करना पड़ा। इतनी सब विपदाओं, कष्टों के आने पर भी वे सत्य पर अडिग रहे। इतने संकटों के बाद भी सत्य से विचलित नहीं हुए। विश्वामित्र ने भी स्वीकार किया राजा हरिशचन्द्र की सत्य निष्ठा अगाध है इसलिये कहा - सत्यमेव जयते नानृतं सत्य की सदैव विजय होती है। जीवन का शाश्वत सुख प्राप्त करना है, तो मन, वचन, काय से सत्य आचरण को अपने जीवन में प्रतिष्ठित करना चाहिये।

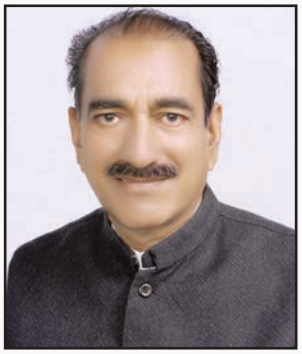

नोटः-लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

सीकर शहर गौ कलश यात्रा से गौपुष्टि महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

महिलाओं ने शहर के जैन भवन से रामलीला मैदान तक निकली कलश यात्रा

सीकर. शाबाश इंडिया

सीकर में गौ कलश यात्रा से गौ पुष्टि महा यज्ञ का श्रीगणेश हुआ। समारोह के सह संयोजक अधिवक्ता हनुमान सिंह पालवास ने बताया कि शेखावाटी में पहली बार हो रहे श्रीलक्ष्मी गौपुष्टि महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। श्री करणी गोपाल गौ धाम पालवास के पीठाधीश्वर श्रद्धेय चन्द्रमादास महाराज सहित संतो के सानिध्य में मांगलिक वेश में पहुंची महिलाओं के सिर पर रंग-बिरंगी रंगोली से सजे कलशों ने शहर के माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। श्री लक्ष्मी गौपुष्टि महायज्ञ आयोजन समिति के मंत्री जानकी प्रसाद इंदौरिया ने बताया कि बुधवार सुबह शहर के जैन भवन से महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा शहर के प्रमुख स्थानों से होते हुये रामलीला मैदान में पहुंची। सीकर शहर में अनेक स्थानों पर लोगों ने कलश यात्रा व संतो का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। बउधाम के संत शिरोमणी रतिनाथ महाराज व रामजी बापू की पूण्य स्मृति में हो रहे महायज्ञ में प्रायष्चित गौदान गणपति पूजन आचार्य चरण नांदी मुख श्राद्व तथा यज्ञ मण्डप प्रवेश व देव स्थापना हुई। कलश यात्रा में कई संत व शहर के प्रमुख धर्म प्रेमी व जनप्रतिनिधि शामिल हुये। प्रतिदिन सुबह नौ बजे से 12 बजे व दोपहर तीन बजे से 6 बजे तक नौ कुण्डीय महायज्ञ होगा। इस दौरान गौ कथा वाचक साध्वी कपिला दीदी के द्वारा दोपहर सवा दो बजे से शाम पांच बजे तक गौ कथा होगी। उन्होंने बताया कि अखण्ड रामायण पाठ भी शुरू हुआ। इसके अलावा करणी माता गौशाला पालवास से लाई गई जीवंत गौ माता व बछड़े की सेवा भी शुरू की गई है।

गौ सेवा से धर्म,अर्थ, काम व मोक्ष पुरूषार्थ की प्राप्ति संभव : साध्वी कपिला दीदी

अग्नि मंथन से अग्नि प्रज्जवलित करके श्री लक्ष्मी गौ पुष्टि महायज्ञ शुरू हुआ। ये नौ कुण्डिय महायज्ञ 28 सितम्बर 2023 तक चलेगा। साध्वी कपिला दीदी ने उपस्थित गौ भक्तों को गाय की महिमा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि श्रद्धय गौ माता की परिक्रमा करने से तैतीस कौटि देवताओं की परिक्रमा जैसा पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा से व्यक्ति को धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष चारों पुरूषार्थो की प्राप्ति होती है। गौ माता प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करती है। गौ माता के घी से किये जाने वाले हवन से अखिल सर्व जन हार्दिक भाईचारा अखिल मानवता अखिल प्रकृति अखिल वातावरण में शुद्वि होती है। उन्होंने गौ सेवा के लिए मातृशक्ति को प्रेरित करते हुये कहा कि घर पर माता जैसे संस्कार बच्चों को देती है बच्चे उसी अनुसार आचरण करते है। बच्चों में गौ सेवा का संस्कार मां के द्वारा दिया जाना चाहिये। उन्होंने गौ भक्तों से भोजन से गौ माता के लिए गौ ग्रास निकालने का आव्हान किया। गौ कथा में जयपुर के महामंडलेश्वर मनोहरदास महाराज, सूरत से गौ भक्त प्रकाश भाई व रघुनाथगढ़ के अमरदास महाराज का सानिध्य मिला। आए हुए संतो और अतिथियों का समिति स्वागताध्यक ईश्वर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में समिति सदस्यों द्वारा दुपट्टा पहनाकर माल्यार्पण के साथ स्वागत सत्कार किया गया। सीकर जिले सहित आस-पास के हजारों लोगों व महिलाओं ने गौ कथा का श्रवण किया।

नौ कुंडीय मुख्य यजमानों के द्वारा अरणी मंथन के साथ शुरू हुआ

आयोजन समिति के संयोजक शंकर भारती ने बताया कि गुरूवार 21 सितंबर से शुरू हुये 9 कुण्डीय गौपुष्टि महायज्ञ में हर दिन एक लाख गौ मंत्रों व लक्ष्मी मंत्रों के साथ संतो के सानिध्य में आहूतियां दी जाएंगी। इसके अलावा अखण्ड रामायण पाठ व अखंड भागवत पारायण पाठ तथा अखण्ड हरिकीर्तन व सवा लाख रूद्राक्ष पाठ भी नियमित किया जायेगा। जीवंत गौ माता बछड़े से गाय माता की सेवा का संदेश भी दिया जा रहा है।

आलस, प्रमाद करने से शरीर अस्वस्थ रहता है: आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी

उदगाव, महाराष्ट्र. शाबाश इंडिया

भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्क्रिड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का महाराष्ट्र के ऊदगाव मे 2023 का ऐतिहासिक चातुर्मास चल रहा है इस दौरान प्रवचन में बताया कि बैठ अकेला दो घड़ी - भगवान के गुण गाया कर.. मन मन्दिर में ये जीया - झाड़ू रोज लगाया कर..! उत्तम शौच का अर्थ है -- मन को मांजना। पहले दिन -- क्रोध को भगाया। दूसरे दिन -- मान को मारा। तीसरे दिन -- मन को शिशु जैसा सरल किया। और आज मन को मांजने की बात हो रही। किसी ने पूछा- संसार छोटा है या बड़ा- ? हमने कहा- संसार ना छोटा है, ना बड़ा। जिसकी कामना, वासनायें बड़ी है, उसका संसार बड़ा है। और जिसकी कामना, वासना कम है, उसका संसार छोटा है। हमारा मन ही उसे छोटा बड़ा बनाता है। उन सन्तों का संसार सीमित है, जिनकी इच्छायें सीमित है। और जिन सन्तों की इच्छायें गीली लकड़ी की तरह धू-धू करके जल रही है, मानना उनका गृहस्थों से भी बड़ा संसार है। ये पाँच बाते हमें आगे बढ़ने से रोकती है प्त कहीं आप इनके शिकारी तो नहीं है ? देर से सोकर उठने से - सौभाग्य का नाश होता है। चुगली करने और झूठ बोलने से - जीभ मोटी होती है। आलस, प्रमाद करने से - शरीर अस्वस्थ रहता है। पानी ज्यादा बहाने से - घर में अशान्ति बढ़ती है, और पैसा नहीं टिकता। गन्दे चित्र देखने से - मन पाप और अशुभ से भर जाता है।

संकलन : नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल

दिगम्बर जैन मंदिर खोरा बिसल में दसलक्षण पर उत्तम शौच की पूजा हुई

खोरा, जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर खोरा बिसल में दसलक्षण पर्व के मंगल मय अवसर पर उत्तम शौच धर्म की पूजा की गई। इस अवसर पर प्रथम कलश और शांतिधारा करने का सौभाग्य निहाल चंद जैन ,अमर चंद दीवान, नेमी दीवान, शुभम अंशुल ,रचित , नैतिक को प्राप्त हुआ । अध्यक्ष पदम जैन महामंत्री अमर चंद दीवान एवम मंत्री अजय जैन ने बताया कि दस लक्षण पर्व के पावन अवसर पर प्रतिदिन अभिषेक ,शांतिधारा के पश्चात दस लक्षण विधान की पूजन भक्ति के साथ की जा रही है।

शाबाश इंडिया

ई-न्यूज पेपर में

छोटा सा संसार, गलतियाँ अपार
आपके पास है क्षमा का अधिकार
कर लीजिए निवेदन स्वीकार

क्षमावाणी पर्व के पावन अवसर पर

(30 सितम्बर व 1 अक्टूबर को प्रकाशित होगा विशेषांक)

क्षमा याचना का संदेश
शाबाश इंडिया ई-न्यूज पेपर
में प्रकाशित करवाकर हृदय से
क्षमायाचना करें।

क्षमावाणी संदेश के लिए सम्पर्क करें

राकेश गोदिका
सम्पादक एवं प्रकाशक
94140-78380
92140-78380

शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ.कांता मीना स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। शक्ति फिल्म प्रोडक्शन द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाली देश की प्रतिभाओं को स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 से वर्चुअल ऑनलाइन आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में राजस्थानी व हिंदी भाषा की साहित्यकार डॉ.कांता मीना को शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरुस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। शक्ति फिल्म प्रोडक्शन की फाउंडर अंबालिका शास्त्री ने बताया की समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना हमारे लिए खुशी की बात है। स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 के लिए देशभर से सैकड़ों की तादाद में प्रविष्टियां ऑनलाइन प्राप्त हुई जिसमे जूरीज द्वारा स्कूटनिंग के बाद उत्कृष्ट एवं बेहतरीन कार्य के आधार पर प्राप्त प्रविष्टियों में से उल्लेखनीय कार्यों करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया है। डॉ.मीना पूर्व में शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए यूथ आइकॉन अवॉर्ड,समाज गौरव सम्मान,मानव सेवा योद्धा व नगर निगम बीकानेर से सम्मानित हों चुकी है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग

एक शाम आचार्य श्री के नाम भजन संध्या

युवा भजन सम्राट श्री रूपेश जैन, इन्दौर

शनिवार 23 सितम्बर, 2023
रात्रि 7.30 बजे

स्थान : पार्श्वनाथ पार्क
श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यातय,
गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर

मुख्य अतिथि : श्री सुधान्शु जी - ऋतु जी कासलीवाल

दीप प्रज्वलनकर्त्ता : श्री अतुल जी - शशी जी सौगानी

उमरावमल संघी
अध्यक्ष

ज्ञानचन्द झांझरी, उपाध्यक्ष | डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, मानद मंत्री
निर्मल कुमार संघी, संयुक्त मंत्री | वी.के.जैन, कोषाध्यक्ष
राजेश बड़जात्या, मुख्य संयोजक | सुरेन्द्र कुमार मोदी, मुख्य संयोजक

... आप सादर आमंत्रित हैं ...

दशलक्षण महापर्व समारोह समिति

ताराचन्द पाटनी, अध्यक्ष | जितेन्द्र कुमार जैन, मंत्री

राजकुमार सेठी, उपाध्यक्ष | राजीव जैन गाजियाबाद, कार्याध्यक्ष | महावीर कुमार जैन झागवाले, संयुक्त मंत्री | सुरेन्द्र कुमार मोदी, कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्यगण... विजय दीवान • विनय कुमार छाबड़ा • शान्ति लाल गंगवाल • सुभाष पाटनी • सतीश बाकलीवाल

एवं समस्त प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय,गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर

संजय पाटनी • रमेश बोहरा • मनोज झांझरी • राजेश बड़जात्या • रवि सेठी • श्रीमती सुरीला सेठी • धर्मेन्द्र लुहाड़िया • सतीश गोधा
राजकुमार जैन • शैलेन्द्र गोधा 'समाचार जगत' • श्रीमती सीमा जैन गाजियाबाद • श्रीमती ममता पाटनी
श्रीमती दीपाली संघी • श्रीमती ज्योत्सना काला • श्रीमती प्रीति झांझरी • श्रीमती अनामिका कटारिया • श्रीमती कीर्ति मोदी

94140-54571 / 93145-07553 / 93527-22022

वात्सल्य रत्नाकर
आचार्य श्री 108 विमलसागर जी मुनिराज का
108 वाँ जन्म जयन्ती पर्व
मानस्तम्भ जिनबिम्ब मस्तकाभिषेक समारोह
शनिवार-रविवार, दिनांक
7-8 अक्टूबर, 2023
स्थान : श्री 1008 संकटहरण पार्श्वनाथ मन्दिर फागीवाला, खादी घर के सामने, आमेर, जयपुर
पावन सान्निध्य..
वात्सल्य मूर्ति
पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज ससंघ
आप सादर आमंत्रित है।
क्षुल्लक श्री 105 उपहार सागर जी महाराज
मांगलिक कार्यक्रम
शनिवार, दिनांक 7 अक्टूबर, 2023
प्रात: 7.30 बजे - जिनाभिषेक, शान्तिधारा
दोपहर 1.15 बजे- ऋषिमण्डल विधान/पूजन
सायं 6.30 बजे - आरती एवं भक्ति
रविवार, दिनांक 8 अक्टूबर, 2023
प्रात: 7.30 बजे - जिनाभिषेक, शान्तिधारा
प्रात: 9.00 से - मानस्तभ जिनबिम्ब का मस्तकाभिषेक
मध्याह्न 2.00 बजे - गुणानुवाद सभा
आचार्य श्री की पूजन एवं आराधना
- विधानाचार्य -
पं. सुरेन्द्र कुमार जी जैन सलुम्बर
आयोजक : उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज वर्षायोग समिति-2023
श्री 1008 संकटहरण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर आमेर, जयपुर
अन्तर्गत..मोतावाई केसरलाल फागीवाला चैरिटेबल ट्रस्ट
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

युवा भजन सम्राट रूपेश जैन के भजनों से आज झूमेगा जयपुर

बापू नगर संभाग द्वारा आज होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेत्यालय बापू नगर जयपुर में युवा भजन सम्राट रूपेश जैन द्वारा भक्ति संध्या का भव्य आयोजन आज शनिवार 23 सितंबर को होगा । बापू नगर संभाग के अध्यक्ष उमराव मल संघी ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के दौरान शनिवार, दिनांक 23 सितंबर सांय 7:30 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय, गणेश मार्ग, बापू नगर में प्रसिद्ध, हर दिल अजीज, युवा भजन सम्राट रूपेश जैन इंदौर द्वारा भक्तिमय पार्श्व वंदन का कार्यक्रम दिगंबर जैन समाज बापू नगर संभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। विश्व विख्यात भजन सम्राट रूपेश जैन ने भगवान बाहुबली, नमोकार मंत्र, तीर्थ राज समेद्र शिखर, पर्युषण पर्व आदि पर अनेक गीत, भजन , अपनी मधुर आवाज में गाकर सम्पूर्ण भारत वर्ष के जैन समाज मे अपना सर्वोच्च स्थान बनाया है। उनकी आवाज सुनने जयपुर जैन समाज मे काफी उत्साह है। बापू नगर संभाग के उपाध्यक्ष ज्ञान चंद झांझरी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुधांशु -ऋतु कासलीवाल, तथा दीप प्रज्वलन अतुल - शशि सोगानी द्वारा किया जाएगा । कार्यक्रम के मुख्य संयोजक राजेश बड़जात्या तथा सुरेंद्र कुमार मोदी कार्यक्रम की सफलता के लिये कटिबद्ध है । संभाग के संयुक्त मंत्री निर्मल संघी ने बताया कि मंच संचालन मनीष बैद , रवि सेठी द्वारा किया जाएगा ।

एक मिनट प्रतियोगिता में छवि व पायल जैन रहे विजयी

सीकर. शाबाश इंडिया। जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म मनाया गया। समाज के सभी श्रावक श्राविकाओं ने बड़े भक्ति भाव से उत्तम शौच धर्म की पूजन की व शांतिधारा करने का अवसर किशनचंद अनूप जैन परिवार को प्राप्त हुआ। इससे पूर्व गुरुवार शाम को अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् द्वारा एक मिनट प्रतियोगिता करायी गई। युवा परिषद् के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि एक मिनट प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतियोगियों से एक मिनट में तीर्थंकरों के नाम क्रम से लगाना, ॐ बोलना, ढोक लगाना, बॉल्टी में बॉल डालना, खैरीज बीनना, मोमबत्ती जलाना,धागा में सुई डालना आदि कार्य कराएं गए व विजेताओं का चयन उम्र के आधार पर दो ग्रुपों में किया गया। पहले 3 से 12 वर्ष तक के ग्रुप में प्रथम स्थान छवि, द्वितीय झील व तृतीय नमह जैन ने प्राप्त किया तथा 12 वर्ष से अधिक उम्र वाले ग्रुप में पायल जैन ने प्रथम, हर्षित जैन ने द्वितीय व करिश्मा जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को रिखवचंद अजय जैन द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष संतोष जैन, महामंत्री कपिल जैन,डिम्पल जैन, टीकम जैन, दीपक जैन, कमल जैन, नरेंद्र जैन आदि मौजूद रहे।

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन चेत्यालय में बापू नगर में हुआ धार्मिक तंबोला का आयोजन

श्रीमति समता गोदिका ने दी भव्य प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया। भाद्रप्रद माह में दशलक्षण पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री पारसनाथ दिगंबर जैन चेत्यालय में बापू नगर दिगंबर जैन महिला मंडल की और से जैन धार्मिक संगीतमय तंबोला का दिनांक 21 सितम्बर 23 गुरुवार को रात्रि 8 बजे से आयोजन किया गया ।मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुरीला सेठी ने बताया की मंदिरजी में सायंकाल 6 .30 बजे संगीतमय आरती की गई। 7.00 बजे से उत्तम आर्जव धर्म पर प्रवचन व 8 बजे से संगीतमय तंबोला कार्यक्रम बापू नगर निवासी स्वरकोकिला श्रीमती समता गोदिका ने अपनी मधुर आवाज में आयोजित की। समता की आवाज के जादू को सभी श्रावको ने पूरे कार्यक्रम के दौरान मंत्र मुग्ध होकर सुना। मंदिर समिति के अध्यक्ष ताराचंद पाटनी व सचिव जे के जैन साहब ने बताया की कार्यक्रम में सर्वप्रथम जिनेंद्र प्रभु के समक्ष आज के मुख्य अतिथि श्रीमती रेणु लुहाड़िया, सौरभ मोनिका लुहाड़िया परिवार ने दीप प्रज्वलित कर किया व प्रभु की स्तुति की, मंगलाचरण में श्रीमती राजकुमारी अजमेरा के साथ मंडल की सभी सदस्यओ ने भाग लिया। अतिथि का सम्मान मंदिर समिति के उपाध्यक्ष राजकुमार सेठी, कार्याध्यक्ष राजीव जैन सह सचिव महावीर जैन झागवाले व कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र मोदी ने किया। महिला मंडल की सह सचिव श्रीमती राजकुमारी अजमेरा व कोषाध्यक्ष श्रीमती रेणु जैन घीवाले ने समता का तिलक लगाकर व माला पहना कर स्वागत किया। दुपट्टा पहनाकर कर श्रीमती रितु कासलीवाल ने समता का सम्मान किया। कार्यक्रम में पधारे राकेश गोदिका का सम्मान ज्ञानचंद झांझरी व कमलेश बाकलीवाल ने किया फिर शुरू हुआ भक्ति के साथ भजनों का तंबोला कार्यक्रम जिसमें सहयोगी रही श्रीमती अंजू लुहाड़िया , रीमा गोदिका व सुधा पाटनी के साथ महिला मंडल की सभी सदस्याएं। पूरे कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कमलेश बाकलीवाल ने किया। श्रीमती सुरीला सेठी ने सभी का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

जैन दर्शन में ''उत्तम शौच धर्म'' का अभिप्राय शारीरिक स्वच्छता से नहीं, अपितु आत्मा की निर्मलता से है: ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। आत्म कल्याण व आत्म आराधना के महापर्व दसलक्षण पावन पर्व पर शहर के समस्त जैन मंदिरों में प्रातः बेला से श्री जी की पूजन, अभिषेक सहित अनेक धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम प्रतिदिन होते है। सर्वशान्ति की मंगलकामना के साथ जिनेन्द्र प्रभु की प्रातः सभी जैन मंदिरों में शांतिधारा की जाती है। शुक्रवार को अभिषेक व शांतिधारा पश्चात पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ दशलक्षण धर्म के चतुर्थ स्वरूप ''उत्तम शौच धर्म'' की विशेष आराधना की गई। प्रतिदिन दीवान जी की नसियां में ब्रह्चारिणी सरिता दीदी व बबिता दीदी द्वारा दस लक्षण पर्व पर विशेष प्रवचन किए जा रहे हैं। रात्रि में विविध जैन संगठन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। बड़ा मंदिर कमेटी के अभिनव सेठी ने बताया कि दंग की नसियां मंदिर में प्रदीप कुमार मनोज कुमार बाकलीवाल परिवार द्वारा व बड़ा मंदिर में विदेह दोषी व महेश गंगवाल द्वारा प्रातः शांतिधारा की गई। नया मंदिर कमेटी ने बताया कि प्रातः प्रथम अभिषेक का सौभाग्य भागचंद निखिल कुमार अजमेरा परिवार को प्राप्त हुआ। देवीपुरा मंदिर कमेटी मंत्री पंकज दुधवा व सदस्य रामेश्वर पाटनी ने बताया कि सांयकाल महाआरती व प्रातः समस्त मांगलिक क्रियाओं का सौभाग्य पूरणमल राजकुमार अजीत कुमार जयपुरिया परिवार को मिला। विवेक पाटोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि दस दिवसीय दसलक्षण महापर्व भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी 19 सितंबर से शुरू होकर भाद्रपद शुक्ल अनंत चतुर्दशी 28 सितंबर तक पूरे नियम और संयम के साथ मनाया जा रहा है। इन दस दिनों में जैन धर्मावलंबी धर्म के दस धर्मों का पालन पूरी धार्मिक प्रभावना के साथ कर रहे हैं। धर्म के इन दस दिनों में पहले दिन उत्तम क्षमा धर्म, दूसरे दिन उत्तम मार्दव धर्म, तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म,चौथे दिन उत्तम शौच धर्म, पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म,छठवें दिन उत्तम संयम धर्म (सुगंध दशमी), सातवें दिन उत्तम तप धर्म, आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म, नौवें दिन उत्तम आकिंचन्य धर्म, दसवें दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म (भाद्रपदशुक्ल, अनंत चतुर्दशी) मनाया जाएगा।

उत्तम शौच धर्म

ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी ने बताया कि जैन दर्शन में ''उत्तम शौच धर्म'' का अभिप्राय शारीरिक स्वच्छता से नहीं, अपितु आत्मा की निर्मलता से है।उत्तम शौच धर्म का तात्पर्य लोभ का त्याग करना है। लोभ वास्तव में पाप का बाप है।लोभ में फंस कर ही मनुष्य पाप की ओर अग्रसर होता है।उन्होंने बताया कि संतोष रूपी धन से ही कल्याण संभव है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे सिद्धवरकूट तीर्थक्षेत्र के दर्शन किए

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। सिद्ध क्षेत्र सिद्धवरकूट कमेटी अध्यक्ष अमित कासलीवाल एवं महामंत्री विजय काला द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। समाज प्रवक्ता राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आज मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मां नर्मदा नदी के तट के किनारे स्थित पुण्य भूमि, जहां से करोड़ों मुनिराज मोक्ष को प्राप्त हुए श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट पर पधारे। जहां ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष अमित कासलीवाल ने पूरे क्षेत्र के दर्शन मुख्यमंत्री को कराए एवं क्षेत्र पर दर्शन एवं आरती की। क्षेत्र की भव्यता एवं धर्म ध्यान कर मुख्यमंत्री भाव विभोर हो गए। कमेटी की ओर से अध्यक्ष अमित कासलीवाल एवं महामंत्री विजय काला ने शाल श्रीफल एवं माला दुपट्टा पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया। अध्यक्ष अमित कासलीवाल ने उन्हें ओंकारेश्वर से सिद्धवरकूट तक ब्रिज निर्माण हेतु ज्ञापन भी दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र इसपर कार्य प्रारंभ करेंगे।

कीर्ति नगर जैन मंदिर में जम्बू स्वामी का वैराग्य की भावनात्मक प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया। दस लक्षण पर्व के अवसर पर कीर्ति नगर जैन मंदिर , टोंक रोड जयपुर पर 21 सितंबर को अंतिम केवली भगवान जम्बूस्वामी का वैराग्य के नाटक का बहुत ही शानदार प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम संयोजक शिप्रा बैद, रीना कासलीवाल और सोनल पाटनी ने बताया कि इस नाटक का निर्देशन राहुल जैन द्वारा किया गया था । दो घंटे के इस नाटक में जम्बू कुमार से जम्बू स्वामी तक का विस्तृत वर्णन किया गया था । कीर्ति नगर मंदिर के अध्यक्ष टीकम चंद बिलाला और महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि समाज की महिलाओं और बच्चों की जीवन्त प्रस्तुति ने श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया । नाटक का मंच संचालन अक्षया सेठी ने किया । सांस्कृतिक मंत्री राजेंद्र पाटनी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया ।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर में उत्तम शौच धर्म की पूजा हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर में वीतराग दस लक्षण धर्म के चौथे दिन उत्तम शौच पर्व हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। श्रद्धालओं ने उत्तम शौच सर्व-जग जाना, लोभ पाप को बाप बखाना।आशा-पास महादुःखदानी, सुख पावे संतोषी प्रानी। भक्तिभाव से पूजा अर्चना की। नरेश कासलीवाल ने बताया कि इससे पूर्व प्रातः भगवान के अभिषेक का सौभाग्य राजकुमार, अजय,विजय, नीलकमल पाण्डया परिवार द्वारा मंत्रोच्चारण के बीच शांतीधारा की गई। शाम को आरती की गई । महिला मंडल की अध्यक्षया सन्तोष सौगानी, मंत्री शिमला पापड़ीवाल ने बताया कि रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत दीप प्रज्जलन समाजसेवी शैलेन्द्र-मनीषा, संजय-सुषमा जैन परिवार द्वारा किया गया। ततपश्चात महिला मंडल द्वारा धार्मिक रंगा रंग कार्यक्रम व नाटक की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

संकलनः नरेश कासलीवाल

प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज 'छाणी' मुनि दीक्षा शताब्दी (1923-2023) पर विशेष

आचार्य शान्ति सागर छाणी का मुनि परंपरा संरक्षण में विशिष्ट योगदान है: आचार्य अतिवीर मुनि

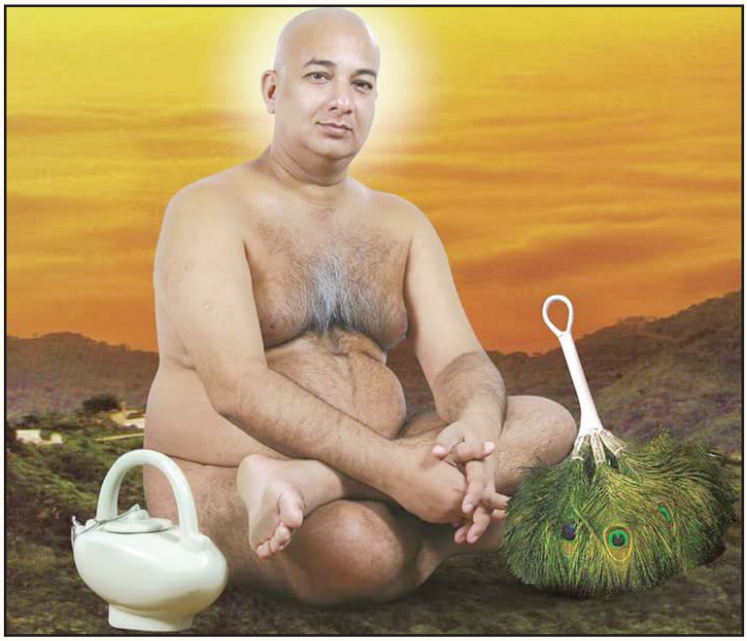

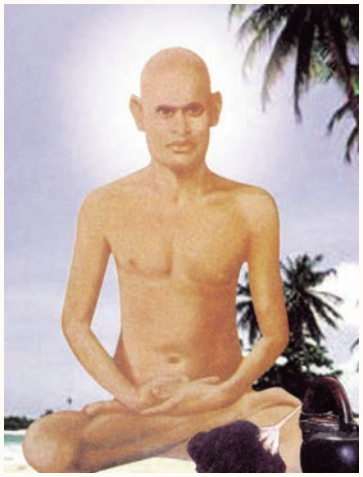

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज 'छाणी' का जन्म सन 1888 में कार्तिक बदी ग्यारस को राजस्थान प्रान्त के उदयपुर नगर के समीप स्थित छाणी ग्राम में हुआ था. आपने सन 1922 में क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की तथा एक वर्ष पश्चात ही सन 1923 में भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तदनुसार 23 सितम्बर 1923 को राजस्थान के सागवाड़ा नगर में मुनि दीक्षा अंगीकार कर आत्म-कल्याण के मार्ग पर आरुढ़ हुए. मुनि रूप में आपने दिगम्बर मुनि की चर्या, उनके मूलगुणों की साधना तथा उनके तपश्चर्या के विविध आयामों से जैन समाज को परिचित करवाया। गौरवशाली छाणी परंपरा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज ने पूज्य आचार्य-प्रवर के दीक्षा शताब्दी के अवसर पर उनके चरणों में अपनी विनयांजलि अर्पित करते हुए बताया कि आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज 'छाणी' ने उत्तर भारत में भ्रमण कर मुनि परंपरा को संरक्षित एवं व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. यद्यपि आचार्य श्री को दीक्षोपरांत मात्र 22 वर्ष ही धर्म प्रचार हेतु मिले परन्तु जैन मुनि परंपरा में उनका योगदान अत्यंत विशिष्ट है. आपने 1923 से लेकर 1944 के मध्य लगभग समस्त उत्तर भारत में दिगम्बर जैन मुनि के रूप में सतत विहार किया। आप एक सच्चे समाज सुधारक थे तथा आपने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का साहसिक प्रयत्न किया। आपके अहिंसात्मक एवं धर्ममय प्रवचनों के माध्यम से कुप्रथाओं पर बंदिश लगी। गिरिडीह (झारखण्ड) प्रवास के दौरान आपके संस्कारित प्रवचनों से प्रभावित होकर एवं आगमोक्त चर्या को देखकर स्थानीय समाज ने सन 1926 में आपको आचार्य पद से सुशोभित किया। आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज 'छाणी', प्रथम ऐसे दिगम्बर मुनिराज थे जिन्होंने उत्तर भारत के नगरों की दूर-दूर तक पदयात्रा करके दिगम्बर साधु के विहार का मार्ग प्रशस्त किया। आपने सन 1926 में अपने संघ सहित कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, अयोध्या और बनारस आदि प्रमुख नगरों में धर्मप्रभावना करते हुए शाश्वत तीर्थाधिराज श्री सम्मेद शिखर जी की ओर मंगल विहार किया था। पिछले सौ-डेढ़ सौ वर्षों के इतिहास में अभी तक कोई भी दिगम्बर मुनिराज यहाँ नहीं पधारे थे। राजस्थान के ब्यावर में इस युग के दो महान आचार्य - चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज ' दक्षिण' एवं प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज 'छाणी' का वर्षायोग एक साथ सानंद संपन्न हुआ। आपके धर्मप्रेरक उपदेशों से प्रभावित होकर समाज ने अनेक विद्यालय, धर्मपाठशालायें, वाचनालय, साधना आश्रम तथा साहित्य प्रकाशक संस्थाओं की स्थापना की। सन 1944 में ज्येष्ठ बदी दशमी तदनुसार दिनांक 17 मई 1944 को राजस्थान के सागवाड़ा नगर में समाधिपूर्वक मरण कर इस नश्वर देह का त्याग किया। पूज्य आचार्य श्री का जितना विशाल एवं अगाध व्यक्तित्व था, उनका कृतित्व उससे भी अधिक विशाल था। आचार्य श्री के कर-कमलों द्वारा अनेक भव्य जीवों ने जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार कर अपना जीवन धन्य किया। इस महान परम्परा में वर्तमान में सहस्त्राधिक दिगम्बर साधु समस्त भारतवर्ष में धर्मप्रभावना कर रहे हैं तथा भगवान महावीर के संदेशों को जनमानस तक पहुंचा रहे हैं।

संकलन - समीर जैन (दिल्ली)

जैन समाज द्वारा दस लक्षण महापर्व के चतुर्थ दिवस पर अभिषेक शांति धारा एवं शौच धर्म की पूजन की गई

चौमूं. शाबाश इंडिया। शहर में चंद्रप्रभु शांतिनाथ पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जैन समाज द्वारा दस लक्षण महापर्व के चतुर्थ दिवस पर प्रातः कालीन अभिषेक शांति धारा एवं शौच धर्म की पूजन की गई। जैन समाज प्रवक्ता पंकज बडजात्या ने बताया कि आज के अभिषेक शांति धारा का सौभाग्य रामगोपाल जयकुमार कमलेश कुमार पाटनी नाथूसर वालों को प्राप्त हुआ। जयपुर से श्री महावीर जी पैदल यात्रा के संयोजक सुशील जैन एवं सहसंयोजक प्रकाश गंगवाल, राजकुमार, राजेंद्र मोजमाबाद, अमरचंद दीवान,विक्रम जैन,सुरेश ठोलिया का स्वागत क्षेत्रीय संयोजक पंकज बडजात्या, हीरालाल,चिराग सोगानी, ज्ञानचंद जैन, नितेश पहाड़िया, प्रमोद जैन, मुकेश जैन द्वारा किया गया। संयोजक नितेश पहाड़िया के सानिध्य में आयोजकों द्वारा महा आरती णमोकार भजन महावीर लेखन प्रतियोगिता के कार्यक्रम संपन्न हुए। सुनील जैन ने बताया कि कौन कितने पानी मे सभी विजेता को महिला मण्डल द्वारा सम्मानित किया गया। इन सभी कार्यक्रम के दौरान उषा देवी रविता जैन मंजू जैन ममता जैन शिल्पी पहाड़िया सुनीता जैन अशोक जैन ज्ञानचंद जैन इत्यादि श्रावक मौजूद थे।

दसलक्षण पर्व के दौरान विशेष पूजा अर्चना की

पटना. शाबाश इंडिया। कदमकुआँ कांग्रेस मैदान स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दसलक्षण पर्व के दौरान विशेष पूजा अर्चना चल रही है। जिसके लिए दिगंबर जैन समाज ने भोपाल से पंडित डॉक्टर शीतल जैन शास्त्री जी को आमंत्रित किया है। दस दिनों तक चलने वाले इस महापर्व का आज चतुर्थ दिवस उत्तम शौच धर्म का दिन है। सुचिता को शौच धर्म कहा गया है, सुचिता का संबंध मन की पवित्रता एवं निर्मलता से होता है। जब तक व्यक्ति कसायों से जकड़ा हुआ है उसका मन पवित्र नहीं हो सकता मन में निर्मलता नहीं आ सकती। क्रोध, मान, माया, लोभ, जब तक हम अपने मन से इन कसायों को नहीं निकाल देते हमारा मन पवित्र नहीं हो सकता आत्मा को मलिन करने वाला तत्व कसाय हैं। एक एक कसाय हमारी आत्मा को विकलांग बना रही है। क्रोध में व्यक्ति अंधा हो जाता है, मानी व्यक्ति को कुछ सुनाई नहीं देता है, मायाचारी ने शब्द के अर्थ बदल दिए एवं लोभ तथा लालच ने तो व्यक्ति की नाक ही कटवा दी। हम कल्पना करें किसी ऐसे व्यक्ति की जिसकी आंख ना हो, कान ना हो, जुबान ना हो एवं नाक ना हो। ठीक इसी प्रकार यह कसाएं हमारी आत्मा को दूषित करने में लगी हुई है। जैन श्रद्धालु प्रवीण जैन ने कहा कि उत्तम शौच धर्म हमें लोभ एवं लालच को त्याग कर हम अपनी आत्मा का कल्याण करने का मार्ग प्रशस्त करता है। यही उत्तम शौच धर्म का अभिप्राय है।

लोक में जो भटकाये वह लोभ है : गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए कहा कि समुद्र में कितनी भी नदियां मिल जाये फिर भी वह तृप्त नहीं होता , अग्नि को कितना भी ईंधन डाल दो फिर भी वह तृप्त नहीं होती । उसी प्रकार तृष्णा की खाई खूब भरी पर रिक्त रही वह रिक्त रही । लोक में जो भटकाता है वह लोभ । लोभ को पाप का बाप कहते है । क्योंकि किसी भी पाप की प्रवृत्ति लोभ से ही होती है। माताजी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सन्त नहीं तो संतोषी जरूर बनना चाहिए। आज का व्यक्ति पेट नहीं पेटी भरने की सोच से ही दुख भोग रहा है । अपनी सोच से लोभ हटाकर संतोष को भरे । क्योंकि संतोष रूपी धन ही जीवन के सारे सुखों को देने वाला है। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में चातुर्मास के अंतर्गत पर्वराज दस लक्षण पर्व के शुभ अवसर पर श्री दशलक्षण महामण्डल विधान का आयोजन चल रहा है । जिसकी चर्चा पूरे भारत देश में हो रही है । आज चौथे दिन उत्तम शौच धर्म की पूजन कराने का सौभाग्य सुरेशचंद भानजा सपरिवार को प्राप्त हुआ । इसी के साथ श्री शांतिनाथ विधान राजकुमार जैन फागी ने रचाकर शांतिप्रभु की विशेष आराधना सम्पन्न करायी । तत्पश्चात गुरु माँ के पाद प्रक्षालन , शास्त्र भेंट एवं आहारचर्या कराकर स्वयं को धन्य किया । श्रावकों ने अनेक प्रकार के उपवास व्रत धारण किये। विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर चल रहे विविध प्रकार के अनुष्ठान , आयोजन एवं आराधना का पुण्य लाभ यात्रीगण ले रहे हैं ।

उत्तम शौच धर्म पवित्रता का प्रतीक है : गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माता जी

आगरा. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ओल्ड ईदगाह कॉलोनी में गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माता जी के मंगल सानिध्य एवं पंडित राजेन्द्र जैन भैया जी के निर्देशन में दशलक्षण महापर्व का चौथे दिन उत्तम शौच धर्म के रुप में मनाया गया। भक्तों ने चौथे दिन का शुभारंभ भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ कियो इसके बाद पंडित राजेन्द्र जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष अर्घ्य अर्पित कर उत्तम शौच धर्म की पूजन की मांगलिक क्रियाएं संपन्न की गुरुमां ने उत्तम शौच धर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि आज उत्तम शौच धर्म का दिन है। उत्तम शौच धर्म पवित्रता का प्रतीक है। यह पवित्रता संतोष के माध्यम से आती है। जैसे जैसे लाभ व्यक्ति का होता है वैसे वैसे लोभ बढ़ जाता है। लोभ से इच्छा और इच्छा से तृष्णाएँ बढ़ती है जिसकी पूर्ति कर पाना कभी संभव नहीं है। लोभ पाप का बाप है। संपूर्ण अनर्थों की जड़,कषायों का जनक है। ऐसे लोभ से मित्रता छोड़कर स्वयं के गुणों की मित्रता करें यही भावना है। सायःकाल 7:00 बजे से भक्तों ने श्रीजी की मंगल आरती की सायः8:00 बजे से महिला मंडलों द्वारा नेमी राजुल का वैराग्य के नाटिका की प्रस्तुति की। **रिपोर्ट- मीडिया प्रभारी शुभम जैन**

शांति स्वरूप वीतराग परिणति उत्तम सत्य धर्म है

शाबाश इंडिया

उत्तम सत्य धर्म से तात्पर्य मात्र सत्य वचन बोलना ही नहीं है। सत्य धर्म और सत्य वचन दोनो भिन्न भिन्न हैं। झूठ नही बोलना, जैसा देखा, सुना, जाना वैसा बोलने को सत्य वचन कहा जाता है। आत्मा भी एक द्रव है, अतः वह सत स्वभावी है। सत्य स्वभावी आत्मा में जो शांति स्वरूप वीतरागता उत्पन्न होती है, उसे सत्य धर्म कहते है। अपने अन्तर में विद्यमान ज्ञानानन्द स्वभाव से उत्पन्न हुआ ज्ञान, क्षमादान एवं वीतराग परिणति ही उत्तम सत्य धर्म है और वही मोक्ष का कारण है।

जैसा कि हमारे गुरुओ ने कहा है कि

सद्रभ्यों हिंत सत्यम

कहने का तात्पर्य यह है कि जो सज्जनों को हितकर है वही सत्य है। जीवन में सभी के लिए सत्य का अत्यधिक महत्व है । प्रत्येक धर्म मे किसी न किसी रूप मे सत्य की प्रतिष्ठा की गई है। जैन धर्म में इसे पंच महाव्रत और पंचाणुव्रत में स्थान दिया गया है। असत्य भाषण पाप है, क्योंकि असत्य भाषण का मूल कषाय है और जहाँ कषाय है वहा हिंसा होती ही है। अतएव असत्य भाषण से भी अवश्य हिंसा होती है। अहिंसा के बाद सत्य का क्रम आता है।

सत्य क्यों बोलना चाहिये -

1) क्योंकि झूठ बोलना बुरे काम मे बढ़ोतरी करना है।

2) सत्त जो स्त शब्द से आया है, जिसका मतलब है वास्तविक होना वस्तुस्थिति, तथ्य से अवगत होना।

उत्तम सत्य धर्म हमे यही सिखाता है कि आत्मा की प्रकृति जानने के लिए सत्य आवश्यक है और इसके आधार पर ही परम आनंद मोक्ष को प्राप्त करना संभव है। अपने मन को, आत्मा को सरल और शुद्ध बना ले तो सत्य अपने आप ही आ जायेगा। सत्य बोलना अर्थात सही का चुनाव करना जैसे उचित व अनुचित मे से उचित का चुनाव करना शाश्वत व क्षण भंगुर मे से शाश्वत को चुनना। कहा जाता है की जो सत्यवादी होता है, उसका आत्मबल मजबूत होता है । उसकी आत्मा में विश्वास रूपी हजारो हाथियों का बल होता है । सत्य कभी परास्त नहीं होता है। सत्य दुर्लभ नहीं होता है, अपंग नही होता है एवं विपरीत परिस्थितियों में भी एक समय आता है जब सत्य विजय की प्राप्ति अवश्य करता है। सत्य बोलना बड़ा कठिन माना जाता है, जबकि यह बहुत ही सरल होता है। सत्य का मार्ग तलवार की धार के समान हो सकता है, लेकिन जीत अन्ततः सत्य की ही होती है। वाल्मीकि रामायण में लिखा है, सत्यम्वेश्वरो लोके सत्ये धर्मः सदाश्रितः। लोक में सत्य ही ईश्वर है। धर्म सदा सत्य में ही रहता है। इसका अर्थ है कि विजय हमेशा सत्य की होती है। वेद, शास्त्र एवं पुराणों में कहा गया है कि सत्य के समान दूसरा धर्म नहीं है। सत्य को याद नहीं रखना पड़ता है। झूठ में आकर्षण हो सकता है, पर स्थिरता तो सत्य में है। सत्य वचन सुनने और बोलने से बढ़कर आनंदप्रद और कुछ भी नहीं है। महात्मा गांधी ने कहा है कि सत्य से भिन्न कोई परमेश्वर नहीं है । अपनी आत्मकथा का नाम ही उन्होंने 'सत्य के प्रयोग' रखा। मनुष्य लोभ के वशीभूत होकर झूठ बोलता है। बालक अपने शैशवकाल में सत्य ही बोलता है, पर हम अपने स्वार्थवश उसे असत्य की राह पकड़ा देते हैं। एक रिसर्च में सामने आया है कि असत्य वचन के कारण दीर्घकालीन बीमारियां - ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, याददाश्त कमजोर होना, जल्दी घबराहट होना आदि बहुत सारी बीमारियां घर कर लेती है । धर्म का मूल गुण है, इसके पालन करनेवालों को मानसिक एवं शारीरिक शक्ति प्रदान करना एवं बीमारियों से दूर रखना । अतः हम समझ सकते है की जीवन के हर पड़ाव पर सत्य का पालना करना आवश्यक है। दूसरी और इसके पालन करने से, उसे उत्तरदायित्व निभाने वाला माना जाता है, जिससे विश्वसनीयता बढ़ती है और अंततोगत्वा उसे सम्मानित नजरो से देखा जाता है। कवि द्यानतराय जी ने पूजा में लिखा है - उत्तम-सत्य-वरत पालीजै, पर-विश्वासघात नहिं कीजे ।

सांचे- झूठे मानुष देखो,
आपन-पूत स्वपास न पेखो।।

दशलक्षण धर्म के अंतर्गत कल्पद्रुम महामण्डल विधान का आयोजन किया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। पर्युषण महापर्व के चलते जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में बिचला जैन मंदिर पर चातुर्मास के दौरान दस दिवसीय कल्पद्रुम महामण्डल विधान का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि शुक्रवार को सुबह श्रद्धालुओं ने श्री जी को विराजमान करके चारों दिशाओं से कलशाभिषेक किया गया जिसमें विधानाचार्य पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के मंत्रोच्चार के साथ जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के मुखारविंद से विश्व में शांति की कामना को लेकर बीजाक्षर युक्त भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा की गई। कार्यक्रम में शांतिधारा करने का सौभाग्य सोधर्म इन्द्र महावीर प्रसाद छाबड़ा धनपति कुबेर इंद्र त्रिलोक जैन सिरस यज्ञनायक पारसमल सांवलिया चक्रवर्ती सम्राट हेमचंद संधी सानतकुमार इंद्र पुनित संधी माहेन्द्र इंद्र त्रिलोक पांडया ईशान इंद्र हुकमचंद गोधा विमल पाटनी राकेश संधी ज्ञानचंद सोगानी दिनेश सोगानी पदम चंद पराणा को मिला। जौंला ने बताया कि विधान में सभी इंद्र इन्द्राणियो ने गाजे बाजे से मण्डप पर श्री फल अर्ध्य समर्पित किए। विधान में देव शास्त्र और गुरु पूजन सुपार्श्वनाथ पूजन, शांतिनाथ पूजन उत्तम शौच धर्म पूजन के साथ कल्पद्रुम महामण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना की गई। जौंला ने बताया कि दशलक्षण धर्म के तहत सांयकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें गुरुवार को महिला मण्डल के द्वारा फेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें सभी विजेता प्रतिभागियों को त्रिलोक चंद राहुल कुमार जैन सिरस द्वारा पुरस्कार दिया गया।

नेहानगर जैन मंदिर में संगीतमय भजन प्रतियोगिता संपन्न

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम प्रभाकर शिष्या आ. श्री अकम्पमति माताजी एवं आ.श्री अचल मति माताजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से जैन मिलन मकरोनिया क्षेत्र क्रमांक 10 के तत्वावधान में श्री महावीर दि. जैन मंदिर नेहा नगर में संगीतमय भव्य भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम आचार्य श्री के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि वीर कमल जैन अध्यक्ष, वीर सुरेश जैन अध्यक्ष जैन मिलन , वीर डालचंद जैन राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य , अतिवीर प्रमोद भायजी क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष, वीर आशीष जैन पंप ,वीर राकेश जैन, वीर रविंद्र जैन, वीर अरुण जैन एवं वीर धर्मेंद्र जैन नैनधरा वीर मनीष जैन विद्यार्थी क्षेत्रीय संयोजक एवं मीडिया प्रभारी द्वारा किया गया। तत्पश्चात मंगलाचरण के रूप में महावीर प्रार्थना जैन मिलन के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से की गई । तत्पश्चात अध्यक्ष की अनुमति से भजन प्रतियोगिता प्रारंभ की गई वीर सुरेश जैन अध्यक्ष जैन मिलन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं सभी ने बढ़-चढ़कर बहुत ही सुंदर एवं मनमोहक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की निर्णायक मंडल वीरां सुचित्रा जैन, वीरां उषा पुष्कर, वीर मनीष जैन विद्यार्थी ,वीर अरुण जैन व्याख्याता, वीर रविंद्र जैन मंत्री, वीर निशिकांत सिंघई प्रचार मंत्री के द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया, जिसके आधार पर प्रथम वीरांगना अभिलाषा जैन, द्वितीय सृष्टि जैन, तृतीय वीरांगना मयूरीका जैन रही। वीरांगना प्रीति जैन एवं प्रगति जैन को सांत्वना मिला ।

णमोकार महामंत्र की महिमा लधु नाटिका का हुआ मंचन

महाराजा और सेठ जिनदत्त का लगाया दरबार

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में बिचला जैन मंदिर के शांतिनाथ भवन में दस लक्षण महापर्व के दौरान जिनवाणी महिला मण्डल द्वारा णमोकार महामंत्र की महिमा का नाटिका का मंचन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। चातुर्मास कमेटी के प्रचार प्रसार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कांग्रेस शहर अध्यक्ष पारस पहाड़ी जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा एवं समाजसेवी सन्मति चंवरिया ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद अतिथियों ने आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के चित्र का लोकार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस शहर अध्यक्ष पारस पहाड़ी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने बहुमुखी व्यक्तित्व का विकास करने एवं परिवार, समाज, राष्ट्र व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित बनने के लिए संगठन की परम आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन हर समय भगवान की भक्ति में अपना समय व्यतीत करना चाहिए। भक्ति में महान शक्ति है। जो कर्म श्रृंखलाएं अन्य उपायों से नहीं टूट सकती है वह निकाचित कर्म भी भक्ति से दूर हो जाते हैं। जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा ने णमोकार महामंत्र की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस महामंत्र में पांच पद हैं जिनमें परम पद से सुशोभित त्रैलोक्य पूज्य पांच दिव्यात्माओं को नमस्कार किया गया है, कोटि गुणा उपकारी णमोकार महामंत्र भी जन जन का कल्याणक है सभी के भाग्य का विधाता है, पापो का शामक है, दुख निवारक है और सबसे बड़ी विशेषता तो यह है कि इसकी रचना किसी के द्वारा नहीं हुई स्वतः सिद्ध है। इस दौरान जैन समाज द्वारा कांग्रेस शहर अध्यक्ष पारस पहाड़ी का माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरूआत बाल कलाकार बेबी आर्य सोगानी ने मंगलाचरण किया। कार्यक्रम का संचालन खुश्बू लटुरिया ने किया। लधु नाटिका कार्यक्रम में संगीता जैन संधी ने राजा का, टीना जैन ने सेठानी जिनदत्ता का, नेहा जैन ने सेठ जिनदत्त का, रानी बनी सरोज जैन ने, खुश्बू संधी जिनदत्ता का भाई, सीमा जैन, सपना संधी मंत्री का, माता बनी खुश्बू पाटनी ने भव्य किरदार निभाया। णमोकार महामंत्र की महिमा से एवं भक्ति से नाटिका में नाग भी गले का हार बन जाता है। इस अवसर पर सोधर्म इन्द्र महावीर प्रसाद छाबड़ा धनपति कुबेर इंद्र त्रिलोक चन्द प्रियंका जैन सिरस यज्ञनायक पारसमल सांवलिया चक्रवर्ती हेमचंद संधी सानतकुमार इंद्र पुनित संधी माहेन्द्र इंद्र त्रिलोक अनीता जैन ज्ञानचंद सोगानी राजेश मीनाक्षी जैन सांवलिया प्रेमचंद सोगानी यश संधी महेंद्र संधी अशोक बिलाला महेंद्र चंवरिया राजेश गिन्दोडी.हुकमचंद जैन राकेश संधी डाक्टर राहुल जैन डाक्टर रीना जैन त्रिलोक सिरस सुनील भाणजा त्रिलोक रजवास पवन बोहरा सुशील गिन्दोडी.सहित कई लोग मौजूद थे।

> लधु नाटिका कार्यक्रम में संगीता जैन संधी ने राजा का, टीना जैन ने सेठानी जिनदत्ता का, नेहा जैन ने सेठ जिनदत्त का, रानी बनी सरोज जैन ने, खुश्बू संधी जिनदत्ता का भाई, सीमा जैन, सपना संधी मंत्री का, माता बनी खुश्बू पाटनी ने भव्य किरदार निभाया।

राघोगढ़ नगर के साहित्यकार यहां के प्राचीन इतिहास को संकलित कर पुस्तक प्रकाशित करायेः जयवर्धन सिंह

वरिष्ठ पत्रकार विजय कुमार जैन की पुस्तक का विमोचन हुआ

राघोगढ़. शाबाश इंडिया। राघौगढ़ के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भारतीय जैन मिलन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार विजय कुमार जैन द्वारा लिखित पुस्तक रमेरे शब्द मेरे विचारर का विमोचन समारोह जयवर्धन सिंह पूर्व मंत्री एवं विधायक के मुख्य आतिथ्य भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन गुना के विशेष आतिथ्य एवं नगर पालिका राघौगढ़ विजयपुर के अध्यक्ष विजय कुमार साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए जयवर्धन सिंह ने पुस्तक प्रकाशन के लिए विजय कुमार जैन को बधाई दी आपने कहा पुस्तक में शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य, अध्यात्म को सम्मिलित किया है, आपने विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य गणों से आग्रह किया इस पुस्तक को आपकी शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराये। आपने यह भी आव्हान किया राघौगढ़ नगर के सभी बुद्धिजीवियों को मिलकर इस नगर के 300 वर्ष प्राचीन इतिहास को संकलित कर पुस्तक प्रकाशन हेतु कार्रवाई करें।जयवर्धन सिंह ने पुस्तक लेखक विजय कुमार जैन की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए पत्रकारिता, राजनीति एवं समाज सेवा सभी क्षेत्रों में आपने निष्ठा, लगन एवं ईमानदारी से काम किया। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ। अतिथियों का स्वागत हिन्दुपत शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान बी.एड.कॉलेज राघौगढ़ के प्राचार्य डॉ विनोद सिंह भदौरिया, जैन मिलन आदिनाथ इंदौर के अध्यक्ष सरदार मल जैन, जैन मिलन राघौगढ़ अशोक भारिल्य,जितेन्द्र जैन, दिलीप जैन, जैन समाज राघौगढ़ के अध्यक्ष अजय कुमार रावत ने पगड़ी पहनाकर एवं पुष्पहार पहना कर किया। माली कृष्ण गोपाल कश्यप,कैलाश सैनी मित्र मंडल ने बड़े पुष्पाहार से अतिथियों का स्वागत किया। पुस्तक के लेखक विजय कुमार जैन ने कहा इस पुस्तक के प्रशासन में जिन-जिन ने सहयोग दिया है उनका मैं आभारी हूं।अआपने सभी से आग्रह किया कि पुस्तक को पढ़कर मुझे अनुग्रहित करें। विशेष अतिथि भारतीय मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन गुना ने कहा पुस्तक के लेखक विजय कुमार जैन भारतीय जैन मिलन में हमारे सहयोगी हैं उनकी यह है विशेषता है कि जो भी उनके पास मदद के लिए आता है तत्परता से उसकी मदद करते हैं। इस अंचल में भारतीय जैन मिलन को ऊंचाई प्रदान करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। शासकीय महाविद्यालय राघौगढ़ के प्राचार्य डॉक्टर जवाहरलाल द्विवेदी, सुठालिया से पधारे ज्योतिषाचार्य पंडित नवल किशोर शर्मा सुठालिया ने भी समारोह को संबोधित किया। सभी के प्रति आभार प्रदर्शन भारतीय जैन मिलन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जैन समाज राघौगढ़ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार भारिल्य ने किया। समारोह में भारतीय जैन मिलन के उपाध्यक्ष विनय कुमार जैन गुना, अजय सिंह राठौर प्राचार्य, के आर डेहेरिया प्राचार्य,डॉ अजित रावत, पुरुषोत्तम शर्मा, बोहरे महेश प्रसाद शर्मा, बंशी लाल माहेश्वरी, हनुमंत सिंह दावतपुरा,राधे श्याम शर्मा, गोपाल पटवा,प्रदीप कुमार जैन अजित जैन शाजापुर, शैलेन्द्र श्री माल मक्सी,मोहन लोधी सुठालिया, आर बी एस परिहारपुरुषोत्तम पुरी,राहुल वत्स,मनीष जैन अन्ना चौधरी, कृष्ण गोपाल वशिष्ठ,हमीद खाँ मंसूरी, इशाक अहमद,चन्द्र शेखर बुनकर, बृजनारायण कश्यप, राजेन्द्र कुमार जै आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विकास कुमार जैन ने किया।

दिव्यांगों के लिए किए जा रहे कार्यों को सराहा

जनसेवक बलराम यादव ने श्री साईनाथ संस्थान का फीता काटकर किया उद्घाटन

अजीतगढ़/ जयपुर. शाबाश इंडिया। कांग्रेस के वरिष्ठ युवा नेता व जनसेवक बलराम यादव ने श्रीमाधोपुर विधानसभा क्षेत्र के थोई रूपपुरा में दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित पाठशाला श्री सांईनाथ संस्थान का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान दिव्यांग बच्चों को उपहार भेंट किए। इस मौके पर बलराम यादव ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। वहीं सभी से लाभांवित होने का आह्वान किया। यादव बोले- संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों के हितों में जो कार्य किए जा रहे है वे सराहनीय है और सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने दिव्यांगों के लिए किए जा रहे इस प्रकार के कार्यों के लिए सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में करडका सरपंच श्रीमती बर्फी देवी, अशोक , सुमेर यादव सचिव, रोहिताश यादव, सुनीता यादव, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सूबेदार भागीरथ, जय राम यादव, राम सिंह यादव, ओम प्रकाश शर्मा सहित कई वरिष्ठ जन मौजूद रहे। सभी आगंतुकों का विक्रम सिंह यादव ने आभार जताया।

नाटक के जरिये समझाया पूजा का फल

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। ऑतेड स्थित तपोवन छतरियों पर श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा जागृति मंच के तत्वावधान में चल रहे दसलक्षण पर्व कार्यक्रम श्रृंखला में गुरूवार को सर्वोदय कॉलोनी महिला मंडल ने लघु नाटिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम के आरंभ में प्रिया पाटनी, ज्योति सेठी व मोना जैन ने मंगलाचरण किया। मंडल अध्यक्ष मधु जैन ने नाटिका की भूमिका बनाते हुऐ पूजा के फल पर अपने उद्गार प्रकट किये। रेणु पाटनी ने बताया कि मधु जैन सेठजी की भूमिका में धर्मध्यान, पूजा-पाठ में लीन रहते हैं, जबकि बीना गदिया बनी सेठानी उनके विपरित घूमने-फिरने की शौकिन होती है। उनकी सखियाँ रेणू सौगानी, अंजू पाटनी व पड़ौसन रेणू पाटनी सेठानी को घूमने-फिरने की बातें बतलाकर और उकसाती है, किंतु सेठानी अपने सेठजी के पूजा-पाठ के चक्कर में कभी भी घूमने नहीं जा पाती है। इसी दौरान एक रोज घर के नौकर रामू काका की भूमिका में साधना पाटनी के साथ नवधा गदिया जो कि आदि कुमार बनी है, बगीचे में फूल चुनने जाते हैं। जहाँ आदिकुमार को सर्प डस लेता है। सेठानी व रामू काका परेशान हो उठते हैं, किंतु सेठजी भगवान के पूजा पाठ में ही लीन रहते हैं। जब उन्हें पता चलता है तो वे णमोकार व मंत्रों के जाप से भगवान को याद करते हैं तथा आदिकुमार पर गंद्योधक छिड़कते हैं, जिससे वह होश में आ जाता है। इसके साथ ही पांडाल भगवान के जयकारों से गूंज उठता है। पूजा के फल नाटिका से प्रभावित हुऐ दर्शक अंत तक टिके रहे तथा कई संवादों पर जोरदार तालिया बजा कर उत्साह वर्धन किया। जागृति मंच के अध्यक्ष सुनील होकरा, बड़ा धड़ा पंचायत अध्यक्ष प्रदीप पाटनी -सरस्वती पाटनी ने सभी के किरदार की प्रशंसा की व उन्हें पारितोषिक देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन जागृति मंच के संदीप बोहरा ने किया। इस अवसर पर कमल कासलीवाल, अभय जैन, मंगलचंद जैन, सुभाष पाटनी, ताराचंद सेठी, महेश गंगवाल, दिनेश पाटनी, मनीष पाटनी, अनिल पाटनी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नाटक ''हृदय परिवर्तन राजा श्रेणिक चेलना'' का मंचन हुआ दुर्गापुरा महिला मण्डल द्वारा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दस लक्षण महा पर्व के पावन अवसर पर जैन धर्म की पोराणिक कथा पर आधारित नाटक हृदय परिवर्तन राजा श्रेणिक चेलना का मंचन दुर्गापुरा महिला मण्डल की ओर से चंदप्रभु दि. जैन मन्दिर

दुर्गापुरा में किया गया। इस नाटक के अन्तर्गत बताया गया है कि वितराग जैन धर्म की साधना करने वाले की एवं सच्ची श्रद्धा रखने वाले को कोई भी धर्म डिगा नहीं पाता है। इस कार्यक्रम का आयोजन महिला मण्डल की अध्यक्षा रेखा लुहाडिया, मंत्री रानी सोगानी, रेणू पाण्ड्या, रितु जैन, सीमा सेठी, रेखा पाटनी एवं वर्षा अजमेरा की ओर से किया गया। नाटक का निर्देशन युवा रंगकर्मी अजय जैन, मोहन बाड़ी द्वारा किया गया। इसमें करीब 20 महिलाओं ने अपनी भूमिका निभाई। महिला मण्डल की अध्यक्षा रेखा लुहाडिया एवं रानी सोगानी ने बताया कि इसमें मुख्य भूमिका शुभिका, इनि, छवी, निशा एवं प्रीती की रही। साथ ही साथ सुशीला, विप्रा, इन्दर सोगानी, प्रीती पाटनी, समा शाह, रजत एवं मानवीय ने भी नाटक में अपन अहम भूमिका निभाई। सोनल पाटनी, मोना, रूची, मोनिका, अतिमा एवं रश्मि ने कार्यक्रम में भक्ति कर अपनी भूमिका निभाई।

धर्मनगरी भीलवाड़ा में रविवार से बहेगी श्रीमद् भागवत भक्ति की रसधारा, तैयारियां हुई पूरी

शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर के मुखारबिंद से 24 सितम्बर से श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

विश्व शांति सेवा समिति के तत्वावधान में शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर जी महाराज के मुखारबिंद से 24 सितम्बर रविवार से शुरू होने वाली सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव कथा की तैयारियां पूरी कर ली गई है। हरणी महादेव रोड स्थित हनुमान टेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में आरसी व्यास कॉलोनी स्थित मोदी ग्राउण्ड पर प्रतिदिन दोपहर एक से शाम 5 बजे तक होने वाली कथा से जुड़ी तैयारियों के बारे में समिति के पदाधिकारियों ने शुक्रवार दोपहर कथा स्थल पर मीडियाकर्मियों को जानकारी दी। समिति के महासचिव एडवोकेट राजेन्द्र कचोलिया ने मीडियाकर्मियों का स्वागत करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के लिए तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई है। महोत्सव का आगाज पहले दिन रविवार सुबह 11.15 बजे देवरिया बालजी से कथास्थल तक विशाल कलश शोभायात्रा के साथ होगा। इसमें मातृशक्ति के साथ समाज के हर वर्ग के भक्तगण भी शामिल होंगे। श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव में परम पूज्य बागेश्वर धाम सरकार पीठाधीश्वर पं. श्री धीरेन्द्रकृष्ण शास्त्रीजी महाराज की एक दिवसीय गरिमामय उपस्थिति रहे इसके लिए अर्जी लगाई हुई है हालॉकि अभी कोई तिथि तय नहीं हुई है। समिति के संयोजक श्यामसुन्दर नौलखा ने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से धर्मनगरी भीलवाड़ा में एक बार फिर से शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर जी महाराज के मुखारबिंद से भागवत भक्ति की रसधारा प्रवाहित होगी। श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव आयोजन को सफल बनाने एवं समाज के हर वर्ग की इसमें सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है। समिति के अध्यक्ष आशीष पोरवाल ने बताया कि कथा आयोजन को लेकर भीलवाड़ा में भक्तों में उत्साह का माहौल है। आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन करने के साथ अलग-अलग दायित्व सौंपे गए है। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट हेमेन्द्र शर्मा ने कहा कि धर्मरत्न शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर के मुखारबिंद से हजारों भक्तगण श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर सकेंगे। आयोजन स्थल पर वाहन पार्किंग सहित सभी जरूरी सुविधाओं का प्रबंध किया जा रहा है। कथास्थल पर भव्य विशाल वाटरप्रूफ डोम का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। पत्रकार वार्ता में समिति के कोषाध्यक्ष राकेश दरक, सचिव धर्मराज खण्डेलवाल, सह सचिव बालमुकुंद सोनी, संयुक्त सचिव दिलीप काष्ट, समिति सदस्य सत्यनारायण मूंदड़ा, रामकिशन सोनी, जगदीश खण्डेलवाल, महेन्द्र खण्डेलवाल आदि भी मौजूद थे। कथा की व्यवस्थाओं के लिए आरसी व्यास कॉलोनी सेक्टर-9 स्थित रूद्राक्ष अपार्टमेंट में कार्यालय संचालित हो रहा है।

क्या होगा सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव में

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के तहत विभिन्न प्रसंगों का व्यास पीठ से धर्मरत्न शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर के मुखारबिंद से वाचन होगा। इसके तहत 24 सितम्बर को श्रीमद् भागवत महात्मयम्, व्यास नारद संवाद, कुंती स्तुति, 25 सितम्बर को कपिल देवहूति संवाद, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, 26 सितम्बर को जड़भरत संवाद, नृसिंह अवतार, वामन अवतार, 27 सितम्बर को श्रीराम एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 28 सितम्बर को भगवान श्रीकृष्ण की बाललीला, गोवर्धनपूजा, छप्पन भोग, 29 सितम्बर को उद्धव चरित्र, रूक्मिणी विवाह, रास पंचाध्यायी एवं 30 सितम्बर को द्वारिका लीला, सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष प्रसंगों का वाचन किया जाएगा एवं व्यास पूजन पूर्णाहुति होंगी।

फोटो जर्नलिस्ट मनोज छाबड़ा के चित्रों की प्रदर्शनी 'लेंस आन लाइफ' का उद्घाटन अखिलेश यादव ने किया

लखनऊ. शाबाश इंडिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज ललित कला अकादमी, अलीगंज लखनऊ में जाने माने फोटो जर्नलिस्ट श्री मनोज छाबड़ा के चित्रों की प्रदर्शनी ''लेंस आन लाइफ'' का उद्घाटन किया। मनोज के पिता वयोवृद्ध 94 वर्षीय प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने अखिलेश यादव को आशीर्वाद दिया। यह प्रदर्शनी मनोज ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती संतोष देवी छाबड़ा को समर्पित की है। अखिलेश यादव ने मनोज छाबड़ा को तस्वीरों के माध्यम से अनेक कहानियों को जीवंत रूप देने के लिए बधाई देते हुए कहा कि मनोज ने फोटो जर्नलिज्म के क्षेत्र में लम्बे समय तक काम किया है और उनकी प्रतिभा मुखर होकर बोलती है। चित्रों के माध्यम से हजारों शब्दों को वाणी मिलती है। अखिलेश यादव ने कहा कि फोटोग्राफी उन क्षणों व घटनाओं की सुरक्षा करती है जो हमेशा याद आती हैं। मनोज ने टाइम्स आफ इंडिया और नवभारत टाइम्स में 25 वर्षों तक सेवाएं दी है। अपनी फोटो में वे दृश्यों के साथ भावनाओं को भी उतारने में सक्षम हैं। उनके काम की सभी सराहना और सम्मान करते है। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में पत्रकार, छायाकार, लेखक तथा सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद थे। इस अवसर पर नीलू छाबड़ा, चेतन छाबड़ा सहित टाइम्स ग्रुप के सदस्य भी उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति में नशे को वर्जित किया गया है : मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर से नशें के खिलाफ शंखनाद

आगरा के हरि पर्वत पर चल रहा है दस दिवसीय संस्कार शिविर

आगरा. शाबाश इंडिया

आपने जीवन में मांस मधु सहद शराब का सेवन नहीं किया ये इसलिए तो आपको ऐसा देश मिला ऐसी संस्कृति मिली जहां शराब पीने की मनाही है मांस को भारतीय संस्कृति में वर्जित किया गया। नशा किसी भी प्रकार का हो वह सदा त्याज्य है आपको उच्च कुल मिला है भारतीय भूमि में जन्म हुआ जहां तीर्थंकर राम कृष्ण महावीर का जन्म हुआ ऐसी पावन भूमि पर जन्म लेने के वाद आप सभी का कर्तव्य बनता है कि आप अपने नगरों में पहुंच कर नशा विरोधी अभियान चलायें नशा के दुष्परिणाम से अवगत करायेंगे तो ऐसे संस्कार शिविर की सार्थकता होगी उक्त आश्य केउद्गार अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर की विशाल धर्मसभा को हरि पर्वत आगरा में संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नशें की लत के कारण देश का अरबो खरबो रूपए बर्बाद हो रहा है सबसे बड़ी बात इससे की घर उजड़ रहे हैं मैं हमेशा कहता हूं कि गुटखा खाने वाले में सबसे ज्यादा कैंसर जैनियों को होगा और उसमें जो शिविर में आया हो तो उसे तो होगा ही होगा ये शिविर का अतिशय है इसलिए कहा गया है जिस संस्कृति में इन चीजों को निषेध किया गया है उसे हम क्यों अपनायें आपने बहुत मेहनत से पैसा कमाना है इसका सदुपयोग करना सीखे पुण्य के उदय में ये सब आपको मिला है इससे कुछ ऐसा करें जिससे आपके कुल की कीर्ति बड़े। शिविरार्थी नशें के खिलाफ अपने नगरों में अभियान चलायें

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि तीस वे अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर में देशभर से फर्म के माध्यम से चयनित तीन हजार से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिनको परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज के सान्निध्य में दोपहर में मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया समाजिक सुधारों के साथ ही व्यक्तित्व निर्माण की कला सिखायी जा रही है समारोह में संयोजक मनोज वाकलीवाल ने कहा कि इस शिविर का निर्देशन हुकुम काका कोटा दिनेश गंगवाल जयपुर विशेष मार्ग दर्शन प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस अशोक नगर विनोद भ इया जवलपुर सुकांत भइया महावीर भइया अजमेर कर रहे हैं इसके साथ ही विनोद भइया छतरपुर कुन्थकुमार उदयपुर सुनील भइया रायपुर मोनूभइया चरगुआ सोनू भइया जवलपुर सौरव भइया सहित अन्य विद्वान इस शिविर में गहन प्रशिक्षण दे रहे हैं इस

दौरान कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन PNC , नीरज जैन (जिनवाणी)- महामंत्री निर्मल कुमार जैन मोट्या-कोषाध्यश मनोज कुमार बाकलीवाल- मुख्य संयोंजक पी० एल० बैनाडा कार्याध्यक्ष हीरालाल बैनाड़ा - स्वागतध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन - ललित जैन (डायमन्ड) अमित बाबी राजेश जैन गया बाई के जैन विमल मारसंस भोलानाथ सिंघई जितेन्द्र कुमार जैन शिखर चंद सिघई उपस्थित रहे।

जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में दश लक्षण महा मण्डल पूजा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा, जयपुर में दशलक्षण मजैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुहापर्व में दिनांक 22 सितंबर 2023 शुक्रवार को प्रातः 6.30 बजे मूल नायक श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान जी के प्रथम अभिषेक शांतिधारा करने का पुण्यार्जन डॉ मोहन लाल मणि, डॉ शांति जैन परिवार ने प्राप्त किया। दश लक्षण महा मण्डल पूजा के सोधर्म इन्द्र इंद्राणी राज कुमार चंदा सेठी रहे तथा महा आरती का पुण्यार्जन सुरेन्द्र कुमार जैन मैना देवी बड़जात्या परिवार ने प्राप्त किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि उत्तम आर्जव धर्म की विधानाचार्य पंडित दीपक शास्त्री के मंत्रोच्चार एवं संगीतकार पवन बड़जात्या एवं पार्टी की मधुर आवाज में उत्तम शौच धर्म की पूजा भक्ति भाव से श्रद्धालुओं द्वारा की गई। महाआरती के पश्चात उत्तम शौच धर्म पर श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की गरिमा व रीतिका जैन बालिकाओं ने प्रवचन किए। श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी ट्रस्ट दुगार्पुरा जयपुर की सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती रेखा पाटनी ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में जम्बूस्वामी का वैराग्य नाटक ट्रस्ट की ओर से मंचित किया गया। ट्रस्ट के सभी सदस्य नाटक में बाराती बने जिनमें कार्याध्यक्ष सतेन्द्र पांड्या कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल उपाध्यक्ष नरेश बाकलीवाल, संयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद बाकलीवाल संगठन मंत्री दिलीप कुमार जी कासलीवाल व सदस्य सम्मिलित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश चन्द कुसुम टोंग्या व अशोक कुमार निर्मला गोधा थे। अजीत कुमार शशि तोतूका ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

श्री टोडरमल स्मारक मंदिर में "श्राविका धर्म सभा" नाटिका का भव्य मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री टोडरमल स्मारक भवन ट्रस्ट के वीतराग महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत आज ''श्राविका धर्म सभा'' नाटिका का अत्यंत ही आध्यात्मिक तरीके से प्रस्तुत किया गया। दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग जयपुर के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार संघी ने अवगत कराया कि इस अवसर पर दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुरेंद्र पांड्या, राजस्थान अंचल के अध्यक्ष श्री अनिल जैन आईपीएस, महामंत्री श्री महावीर बाकलीवाल , कार्य अध्यक्ष डॉक्टर णमोकार जैन, कोषाध्यक्ष श्री रमेश जैन , के साथ श्री मनीष वैद की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी पदाधिकारियों का श्री टोडरमल स्मारक भवन ट्रस्ट के महामंत्री श्री परमात्म प्रकाश जी भारिल्ल द्वारा माल्यार्पण कर भावभीना स्वागत किया। महिला मंडल की अध्यक्षा, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, ने नाटिका की रूपरेखा पर प्रकाश डाला एवं सरला संघी तथा रचना वेद के साथ अन्य सदस्यों के साथ श्रीमती ललिता जी बाकलीवाल का माला पहनाकर स्वागत किया। दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग की बापू नगर सी इकाई के अध्यक्ष श्री हीराचंद वेद एवं मंत्री श्री राकेश कुमार संघी ने महासमिति के पदाधिकारियों का परिचय दिया। श्री परमात्म प्रकाश जी भारिल्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस पर्यूषण पर्व के अंतर्गत टोडरमल स्मारक भवन में प्रातः काल 6:30 बजे से रात्रि 10:30 बजे तक निरंतर पूजा, विधान, तत्व चर्चा क्लासेस , नाटिका लगातार चलती रहती हैं और सभी विद्यार्थी

तत्व चर्चा में तन्मयता से भाग लेते हैं । प्रातः कालीन विधान ऑनलाइन भी प्रदर्शित किया जा रहा है। विधान में जयपुर स्थित निवासियों के साथ ही पूरे भारत से करीब 200 यात्रियों की विधान में बैठने की , निवास करने की एवं भोजन और की व्यवस्था स्मारक भवन द्वारा की गई है। अनिल जैन ने कहा कि पश्चिम संभाग समय-समय पर आकर्षक कार्यक्रम आयोजित करता रहता है।

जयपुर श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में दशलक्षण पर्व के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में दशलक्षण पर्व के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।समाज के सहसचिव नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि दशलक्षण पर्व के उत्तम सोच धर्म के दिन समाज के सदस्यों ने बहुत ही उत्साह से मनाया । ब्रह्मचारी पूर्णिमा दीदी के द्वारा प्रातः काल कराए जा रहे योग मेडिटेशन में बढ़ चढ़कर भाग लिया ।श्री जी के अभिषेक के बाद में बड़े ही आनंद और उल्लास के साथ में पुजा अर्चना की गई ।उत्तम सोच धर्म के अवसर पर मंगल स्थापना करने वाले पुण्यार्जक परिवार एवं श्रावक श्राविकाओ ने ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी के सानिध्य में उत्तम सोच धर्म पर पूजा अर्चना की गई । इस अवसर पर दीदी ने अपने उद्बोधन उत्तम सोच धर्म के बारे में बताया । दशलक्षण पर्व संयोजक दीपक सेठी ने बताया कि सायंकाल सामूहिक महाआरती पुण्यार्जक पतंगया परिवार का अभिनंदन किया गया।आरती के बाद पूर्णिमा दीदी ने प्रतिक्रमण कराया एवं प्रवचन दिया। प्रवचन के बाद में सुगंध दशमी के दिन होने वाली भव्य झांकी के पोस्टर का विमोचन किया गया । सांस्कृतिक कार्यक्रम के पुण्यार्जक परिवार विजय कुमार कुसुम सेठीका अभिनंदन किया गया । महिला मंडल अध्यक्ष सरला बगड़ा ,सहमंत्री रौनक बगड़ा ने बताया की इसके बाद में महिला मंडल की और से सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत मंगलाचरण का कार्यक्रम प्रशनमंच एवं प्रोजेक्टर पर महाविज्ञ की महायात्रा यह पूर्वा आचार्य के ऊपर डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई ।इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस एवं सचिव सुरेंद्र पाटनी ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष पारस छाबडा, उपाध्यक्ष अरुण रावकां, पदमचंद सौगानी, विजय कुमार सेठी, जिनेंद्र छाबड़ा, संजय जैन लाडनूं, विजय कुमार विनायक्या , प्रशांत सेठी, अमित ठोलिया, अशोक निगोतिया, राजेश बधाल, मुकेश सेठी,दीपक कासलीवाल, धमीचंद जैन, पतंगिया फैमिली, रमेश पाटनी, पूर्व पार्षद मोनिका जैन, स्वाति जैन, सुनीता कासलीवाल,मोना सेठी , ललिता छाबड़ा, सरिता पाटनी, सहित समाज के सदस्य गण उपस्थित थे ।

श्री दिगंबर जैन मंदिर अशोक नगर गोखले मार्ग सी-स्कीम में दश लक्षण पर्व के अवसर पर हुई धार्मिक हाऊजी व भक्ति संध्या का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर अशोक नगर गोखले मार्ग सी स्कीम में दश लक्षण पर्व के अंतर्गत धार्मिक हाऊजी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। समाज श्रेष्ठि प्रवीण रेखा निगोतिया एवम श्रेष्ठि मोहित राणा के संपूर्ण कार्यक्रम के पुण्यार्जक थे। प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल एवं सुभाष बज के द्वारा दिलकश अंदाज में धार्मिक हाऊजी खिलाई गई । सचिव संजय छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रमों की इसी कड़ी में 22 सितंबर को आयोजित भक्ति संध्या में सुश्री अचल एवम नीलांचल द्वारा भजनों की भव्य प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के पुण्यार्जक सुरेश-अलका कासलीवाल रहे।